संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 264
पृष्ठ 8
सोमवार
16 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सेहत ही नहीं त्वचा को भी नुकसान...

विचार- वैश्विक-युद्ध का नया त्रिकोण?...

खेल- द. अफ्रीका के नाम आईसीसी...

लखनऊ में अमित शाह ने नवचयनित सिपाहियों को सौंपे नियुक्ति पत्र, बोले-

यूपी पुलिस फिर से नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर

● जितना पसीना प्रशिक्षण में बहाओगे, जीवन में उतना ही कम खून बहेगा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60,244 से अधिक पुलिसकर्मियों की सामूहिक भर्ती को राज्य के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को लखनऊ में 60,244 नवचयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपी। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य के युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी दिया। अमित शाह ने कहा कि आज यहां उत्तर प्रदेश पुलिस बल में जो नई भर्तियां हुई हैं, उनमें 12 हजार से अधिक महिलाएं हैं। अमित शाह ने कहा कि हमने महिलाओं के लिए जो आरक्षण दिया था, उसे उत्तर प्रदेश में पूरी तरह लागू किया गया है। अगर मैं पीएम मोदी के शब्दों का इस्तेमाल करूं तो आप 'अमृतकाल' में यूपी पुलिस में शामिल होने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज मेरे सामने बैठे युवाओं के जीवन का सबसे शुभ दिन है क्योंकि आज उत्तर प्रदेश के हर जाति, समुदाय और जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 हज़ार से ज़्यादा युवा भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का सक्रिय हिस्सा बनने जा रहे हैं। राज्य की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही थी। लेकिन 2017 में राज्य में भाजपा की सरकार बनने और योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस फिर से नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर हो गई। शाह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आज तक पुलिस बल में भर्तियां जाति के आधार पर होती थीं। लेकिन आज तकनीक के माध्यम से पारदर्शिता के कारण आप सभी की नियुक्ति हुई है। आज सीसीटीवी कैमरे हैं, कंट्रोल रूम हैं, कमांड सेंटर हैं, पीसीआर वन है, 150 से ज्यादा एफएसएल यूनिट हैं। आप सभी को इसे आगे बढ़ाना है। मुझे विश्वास है कि आप सुरक्षा, सेवा और संवेदनशीलता के मंत्र को लेकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय दंड संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और नागरिक सुरक्षा अधिनियम, इन तीनों कानूनों के बारे में मैं आज आपको बता रहा हूँ कि पाँच साल में देश में ऐसी स्थिति पैदा हो जाएगी कि अगर कोई थ्र्त दर्ज होती है तो नागरिक को तीन साल में सुप्रीम कोर्ट तक न्याय मिलेगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्दीधारी बलों के लिए एक नियम है– जितना पसीना प्रशिक्षण में बहाओगे, जीवन में उतना ही कम खून बहेगा। महाकुंभ में जो भी आया उसने पुलिस के व्यवहार की प्रशंसा की... पीएम मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपने खिलाफ विकृत धारणा को बदलने का काम किया है। आज आप सभी देश के सबसे बड़े पुलिस बल का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

जी-7 में आतंकवाद के मुद्दे को उठाएंगे : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी कनाडा, साइप्रस और क्रोएशिया की यात्रा आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने के लिए वैश्विक समझ को बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। श्री मोदी ने तीन देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा, आज, मैं साइप्रस गणराज्य, कनाडा और क्रोएशिया की तीन देशों की यात्रा पर जाऊंगा। 15–16 जून को मैं राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स के निमंत्रण पर साइप्रस का दौरा करूंगा। साइप्रस भूमध्यसागरीय क्षेत्र और यूरोपीय संघ में एक करीबी दोस्त और एक महत्वपूर्ण भागीदार है। यह यात्रा ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने और व्यापार, निवेश, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में हमारे संबंधों का विस्तार करने और लोगों के बीच आदान–प्रदान को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करेगी। श्री मोदी ने कहा, साइप्रस से मैं प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर जी–7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा के कनानैस्किस की यात्रा करूंगा। यह शिखर सम्मेलन वैश्विक मुद्दों और वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं पर विचारों के आदान–प्रदान में मदद करेगा। मैं भागीदार देशों के नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए भी उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, 18 जून को मैं क्रोएशिया गणराज्य की अपनी यात्रा और राष्ट्रपति ज़ोरान मिलानोविच और प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविक के साथ बैठकों की प्रतीक्षा कर रहा हूं। हमारे दोनों देश सदियों पुराने घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंधों का आनंद लेते हैं। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली यात्रा के रूप में यह आपसी हित के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के लिए नए रास्ते खोलेगी।

उत्तराखंड में हुए हेलीकॉप्टर हादसे से व्यथित हूं : ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि वह उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर के पास हुए हेलीकॉप्टर हादसे से व्यथित हैं। इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में हेलीकॉप्टर चालक, बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के एक कर्मचारी और पांच तीर्थयात्रियों सहित सात लोगों की मौत हो गई। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच

'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज सुबह एक और नागरिक विमानन हादसे की दुखद खबर आई है और इस बार उत्तराखंड के केदारनाथ–गौरीकुंड–गुप्तकाशी क्षेत्र से। हेलीकॉप्टर में एक बच्चे और चालक सहित कुल सात लोग सवार थे।'' उन्होंने लिखा, ''हम बचाव और खोज अभियान का परिणाम सामने आने का इंतजार कर रहे है। मेरी प्रार्थनाएं हेलीकॉप्टर में सवार प्रत्येक व्यक्ति के साथ हैं।'' अधिकारियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर सुबह करीब साढ़े पांच बजे केदारनाथ से गुप्तकाशी के लिए रवाना हुआ था और थोड़ी ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे का स्थल गौरीकुंड से लगभग पांच किलोमीटर ऊपर 'गौरी माई खरक' के पास बताया गया है।

पूर्व सीएम विजय रूपाणी का डीएनए मैच, राजकोट में होगा अंतिम संस्कार

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने रविवार को पुष्टि की कि अहमदाबाद में हुए घातक एयर इंडिया विमान हादसे के तीन दिन बाद, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का डीएनए, दुर्घटनास्थल पर मिले उनके अवशेषों से मेल खा गया है। सुबह 11.10 बजे आई डीएनए रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की गई। उनका अंतिम संस्कार राजकोट में होगा। सीएमओ के अधिकारी उनके पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए शहर के सिविल अस्पताल में मौजूद थे। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के

परिवार के सदस्यों को डीएनए मिलान के बारे में सूचित कर दिया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि सीएम भूपेंद्र पटेल पूर्व सीएम विजय रूपाणी के आवास पर गए और उनके परिवार को बताया कि उनका डीएनए मिलान हो गया है। सीएम ने परिवार को यह भी बताया कि राजकोट में अंतिम संस्कार की आगे की कार्यवाही में राज्य सरकार उनका सहयोग करेगी। परिवार के सदस्य तय करेंगे कि वे उनके पार्थिव शरीर को कब अपने कब्जे में लेंगे। रूपाणी गुरुवार दोपहर को एयर इंडिया 171 में सवार 241 लोगों में शामिल थे, जो लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में एक ब्रिटिश नागरिक ही जीवित बचा था। सरकार ने कहा है कि ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है, और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए डेटा की डिकोडिंग की जा रही है। विमान उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो हवाई अड्डे के रनवे से लगभग एक किलोमीटर दूर मेघानीनगर में बीजे मेडिकल कॉलेज परिसर के अंदर एक इमारत से टकराया। टक्कर के कारण आग का गोला बना, जिसने छात्रावास की इमारत को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और जमीन पर कई लोगों की मौत हो गई, जिनमें कुछ एमबीबीएस छात्र भी शामिल थे।

उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में सात लोगों की मौत

रूद्रप्रयाग/देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में रविवार को एक हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पायलट सहित उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गयी। हेलीकाप्टर बाबा केदारनाथ के दर्शन करा कर पांच श्रद्वालुओं और मंदिर समिति के एक कर्मचारी को वापस ला रहा था कि मौसम खराब होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे पायलट सहित उसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक 23 महीने की बच्ची भी है। श्रद्वालु परिवार महाराष्ट्र के निवासी थे।हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि आज सुबह करीब सुबह 5.30 बजे आर्यन एविएशन कंपनी का हेलिकॉप्टर वीटीबीकेए/बीईएलएल 407 गौरीकुंड क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर गौरी माई खर्क से ऊपर जंगल में गिरा है। दुर्घटना की वजह खराब मौसम है। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहा था। गौरीकुंड के ऊपर घास काट

रही नेपाली मूल की महिलाओं ने इसके दुर्घटनाग्रस्त होने और गुबार उठने की सूचना दी थी। रूद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर केदारनाथ से प्रातः 5रू21 बजे गुप्तकाशी के लिए रवाना हुआ था एवं 5रू24 बजे इसे वेली प्वाइंट के पास देखा गया। उस समय क्षेत्र में अत्यधिक कोहरा था जिससे दृश्यता शून्य हो गई थी। 6रू13 बजे हेलीकॉप्टर के गुप्तकाशी न पहुँचने की जानकारी हेलीकॉप्टर कंपनी द्वारा दी गई। इसके पश्चात तत्काल कार्रवाई करते हुए खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि तत्पश्चात आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों को सक्रिय किया गया। जिसमें जिला आपदा मोचन बल की टीम के साथ एसडीआरएफ की छह टीमें, एनडीआरएफ की आठ टीम और 22 पुलिसकर्मी शामिल थे। ये सभी राहत एवं बचाव दल घटनास्थल गौरीकुंड से लगभग पांच किलोमीटर ऊपर स्थित गौरी में खड़क नामक स्थान पर पहुँचे जहाँ तलाश और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि हादसे का शिकार लोगों के शव बुरी तरह से जल गए हैं। श्री रजवार ने बताया कि हेलीकाप्टर में कुल सात लोग सवार थे। जिनमें पायलट सहित 06 वयस्क और 01 बच्चा हैं।

महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश से आठ लोगों की मौत,अलर्ट जारी

महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश के चलते रविवार को आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें से अधिकतर की मौत बिजली गिरने से हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने रत्नागिरि और रायगढ़ जैसे तटीय

जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' और पालघर, ठाणे, सिंधुदुर्ग तथा पुणे, सातारा और कोल्हापुर के घाट के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम राहत एवं बचाव कार्यों के लिए तैनात की गई हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटे में पूर्वाह्न 11 बजे तक रत्नागिरि में सबसे अधिक 88.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके बाद रायगढ़ में 65.3 मिमी, सिंधुदुर्ग में 43.8 मिमी, ठाणे में 29.6 मिमी और यवतमाल में 27.5 मिमी वर्षा हुई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में आठ लोगों की जान गई है और दस लोग घायल हुए हैं। मुंबई, सिंधुदुर्ग, धुले, नासिक, संभाजीनगर, नंदुरबार और अमरावती में मौत की घटनाएं हुईं, जिनमें से अधिकतर मौत आसमानी बिजली गिरने के कारण हुईं। कोंकण क्षेत्र की प्रमुख नदियों में रत्नागिरि जिले की जगबुड़ी नदी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही है।

गोदावरी नदी में एक परिवार के पांच सदस्य डूबे, चार शव बरामद

निर्मल, एजेंसी। तेलंगाना में बसारा तीर्थयात्रा के दौरान गोदावरी नदी में डूबने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी जबकि एक अभी भी लापता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हादसे के समय हैदराबाद से 18 लोगों का एक समूह देवी सरस्वती की पूजा करने बसारा गया था। इस दौरान नदी में नहाने के दौरान पांच लोग डूब गए।

इस घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। अब तक नदी से चार शव बरामद किए गए हैं जबकि एक व्यक्ति लापता है। बरामद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भैंसा क्षेत्रीय अस्पताल भेज दिया गया है।

महाराष्ट्र में तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मारी, तीन लोगों की मौत

अहिल्यानगर, एजेंसी। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में रविवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक और निजी बस की टक्कर में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना संगमनेर इलाके में कोल्हार–घोटी राजमार्ग पर सुबह करीब छह बजे हुई। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि लोनी से संगमनेर की ओर जा रहा ट्रक मुंबई से शिरडी की ओर जा रही लग्जरी बस से टकरा गया। उन्होंने कहा कि बस में सवार दो यात्रियों और ट्रक के सह–चालक की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में बस में सवार आठ यात्री भी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस और स्थानीय अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने कहा कि मृतकों की पहचान ट्रक के सह–चालक फिरोज लाला शेख (46), बस यात्री अंजू रवींद्र वाल्मीक (39) और प्रवीण सोपान कंदलकर (28) के रूप में हुई है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों में गिरावट, 10 और मरीजों की मौत

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में कोविड–19 के कुल सक्रिय मामलों की संख्या रविवार को 7,400 से घटकर 7,383 हो गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों में 17 की कमी आयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से आज सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार इस संक्रमण से 10 लोगों ने जान गंवायी है। इसके बाद कोरोना वायरस से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 97 हो गयी हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड–19 से दिल्ली में तीन, केरल में पांच और महाराष्ट्र में दो लोगों की मौत हुयी है। इन सभी को गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं थीं। दिल्ली और

मध्य प्रदेश में नये संक्रमण 10–10 बढ़कर क्रमशः 682 और 130 हुये, जबकि केरल में 102 मामलों की कमी आयी, हालांकि केरल का कुल मामले सबसे ज्यादा 2007 है। सरकारी वेबसाइट के अनुसार पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, हिमाचल प्रदेश, मिजोरम, पुडुचेरी और त्रिपुरा में कोविड–19 नये मामले दर्ज नहीं किये गये हैं। इस वायरस से दिल्ली में जिन तीन लोगों की मौत हुयी है, उनमें 57 वर्ष की एक महिला, 83 वर्षीय महिला और 57 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। वहीं, केरल में 86 वर्षीय पुरुष, 79 वर्षीय पुरुष, 70 वर्षीय पुरुष, 73 वर्षीय पुरुष और 92 वर्षीय महिला ने इस संक्रमण के कारण जान गंवायी है।

गिरिराज सिंह का आरोप

राहुल गांधी को पाकिस्तान और चीन पर भरोसा है, लेकिन देश पर नहीं

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने महाकुंभ में हुई भगदड़ के दौरान हुई मौतों की कथित गलत रिपोर्टिंग को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की थी। सिंह ने गांधी पर बार–बार विदेशी स्रोतों और बयानों पर भरोसा करने का आरोप लगाया, जो उनके अनुसार भारत की छवि को कमजोर करते हैं। गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ष्राहुल गांधी चीनी दूतावास, पाकिस्तानी दूतावास और बीबीसी की रिपोर्ट पर भरोसा करते हैं, लेकिन उन्हें

अपने देश पर भरोसा नहीं है। यह राहुल गांधी की विश्वसनीयता का सही प्रतिबिंब है।

भाजपा नेता ने कहा कि चाहे ऑपरेशन सिंदूर हो या बीबीसी की कोई भी रिपोर्ट, वह हमेशा भारत के खिलाफ बोलते हैं। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने देश के खिलाफ ही बोलने की कसम खा ली है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी ने बुधवार को बीबीसी की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि महाकुंभ के दौरान भगदड़ में मरने वालों की वास्तविक संख्या उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा छिपाई गई थी।

बच्चों की उपेक्षा से वृद्धाश्रम में गुजार रहे जीवन

प्रयागराज। नैनी स्थित आधारशिला वृद्धाश्रम में ओम प्रकाश निरंकारी पिछले पांच साल से जीवन यापन कर रहे हैं। उनके दो बेटे हैं सूरज प्रकाश और नीरज। सूरज प्रकाश की शादी हो गई है जबकि नीरज अविवाहित हैं। दोनों बच्चे बेनीगंज में रहते हैं। ओमप्रकाश ने बताया कि बच्चों को पढ़ाया–लिखाया, उनसे उम्मीद थी कि बुढ़ापे में सहारा बनेंगे। लेकिन बच्चों की उपेक्षा से घर भी छूट गया। यहां कोई मिलने भी नहीं आता। ओम प्रकाश की तरह ही नैनी स्थित आधारशिला वृद्धाश्रम में चार साल से राम दुलारे भी जीवन का अंतिम पड़ाव काट रहे हैं। राम दुलारे ने बताया कि मेरे छह बेटे हैं जो आईईआरटी के पास घर पर रहते हैं। सभी बच्चे अपने–अपने व्यवसाय से जुड़े हैं। पहले मैं मार्बल लगाने का कार्य करता था। दो बेटों को राजगीरी व मार्बल का कार्य सिखाया। एक दिन मार्बल का टुकड़ा आंख में पड़ गया, जिससे रोशनी कमजोर हो गयी। ऑपरेशन कराया, लेकिन आंख सही नहीं हुई। अब बच्चे भी भार समझने लगे

प्रयाग अंडरपास से जुड़ी बदहाल सड़क की हुई मरम्मत

प्रयागराज। छोटा बघाड़ा और एलनगंज को जोड़ने के लिए महाकुम्भ में बने अंडरपास से जुड़े मार्ग की मरम्मत हो गई। नगर निगम ने एलनगंज से अंडरपास जाने वाली 100 मीटर सड़क का शुक्रवार को मरम्मतीकरण करवाया। मरम्मत के बाद अंडरपास से जुड़ी सड़क पर वाहन चालक अब फर्राटा भरने लगे हैं। अखबार में अंडरपास से जुड़े मार्ग की बदहाली की तस्वीर और समाचार 'अंडरपास को जोड़ने वाली सड़क छोड़ दी अधूरी, ऊबड़–खाबड़ राह पर चलना बन गई मजबूरी शीर्षक से प्रकाशित किया था। समाचार को संज्ञान में लेकर अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव ने मार्ग की मरम्मत का निर्देश दिया। एलनगंज की पार्षद प्रीति गुप्ता भी नगर निगम के उच्चाधिकारियों से संपर्क कर मार्ग की मरम्मत के लिए प्रयास करती रहीं। नगर निगम ने शुक्रवार को अंडरपास से जुड़ी सड़क की मरम्मत कर दी। सड़क के बनने के बाद अंडरपास से आवागमन करने वाले आधा दर्जन मोहल्ले के लोग और आसपास रहने वाले छात्रों ने राहत की सांस ली है।

एक ही बिल में रहेगी गृहकर और जलकर की राशि

प्रयागराज। शहर के भवनस्वामियों को इसी साल जुलाई से गृहकर व जलकर का एक बिल मिलेगा। नगर निगम और जलकल के कर्मचारी बिलों का वितरण करेंगे। नया बिल मिलने के बाद भवनस्वामियों के समक्ष गृहकर और जलकर की पूरी राशि जमा करने की बाध्यता नहीं होगी। भवनस्वामी जिस मद में जितनी राशि चाहें उतनी जमा कर सकेंगे। शहर में पहली बार जारी किए जा रहे गृहकर और जलकर के बिल में भवनस्वामियों को यह सहूलियत मिलेगी। भवनस्वामी की ओर से जिस मद में जितनी राशि दी जाएगी, उतने की ही रसीद मिलेगी। बची हुई राशि अगले साल के बिल में एरियर के तौर पर जोड़ी जाएगी। नगर निगम और जलकल विभाग अभी तक गृहकर और जलकर का अलग–अलग बिल जमा करते रहे हैं। शासन के आदेश पर पहली बार दोनों का एक बिल देने का निर्देश दिया। उनके बाद नगर निगम ने गृहकर और जलकर का एक बिल जारी करने की तैयारी शुरू की। इसमें सबसे बड़ी समस्या भवनस्वामियों के पार्ट पेमेंट को लेकर थी। कई दिन माथापच्ची के बाद नगर निगम के अधिकारी और बिल कंप्यूटर पर बिल बनाने वाली एजेंसी ने तय किया कि भवनस्वामियों को बिल एक ही मिलेगा., लेकिन एकमुश्त राशि जमा करने की बाध्यता नहीं है। नगर निगम के मुख्यकर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी ने बताया कि गृहकर व जलकर का एक बिल भेजने की तैयारी हो रही है। भवनस्वामियों को एक बिल मिलेगा, लेकिन भुगतान की प्रक्रिया पहले की तरह होगी। नगर आयुक्त सीलम साई तेजा के निर्देश पर एक जुलाई से बिल भेजा जाएगा।

नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी समेत कई का तबादला

प्रयागराज। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी समेत कई अधिकारी और इंजीनियरों का तबादला हो गया। पीके मिश्रा एकबार फिर प्रयागराज नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी होंगे। वर्तमान में पीके मिश्रा बरेली नगर निगम में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी हैं। प्रयागराज नगर निगम में तैनात मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी को बरेली भेजा गया है। नगर निगम के कार्यवाहक मुख्य अभियंता अनिल मौर्य का तबादला सहारनपुर नगर निगम में किया गया है। अधिशासी अभियंता मुजफ्फर नजमी का लखनऊ तबादला किया गया है। अल्लापुर जोन के जोनल अधिकारी संजय ममगई और कर विभाग के अधिकारी नीरज कुमार सिंह को कार्यमुक्त कर दिया गया है। संजय ममगई का पिछले साल आगरा तबादला हुआ था।

ट्रेन मैनेजर और उसकी पत्नी को पीटा

प्रयागराज। कोतवाली क्षेत्र के छिवकी रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन मैनेजर और उसकी पत्नी को वहीं के एक कर्मचारी ने साथियों संग मिलकर पीट दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। अर्रा नई बस्ती, विहार दक्षिणी, कानपुर नगर के रहने वाले गोपाल मिश्र नैनी कोतवाली क्षेत्र के चौरासी पुरम में पत्नी गौरी अवस्थी के साथ रहते हैं। गोपाल मिश्र छिवकी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन मैनेजर पद पर तैनात हैं। आरोप है कि वही के कर्मचारी पंकज यादव और उसके कुछ साथियों ने किसी बात को लेकर गोपाल मिश्र की पिटाई कर दी। सूचना पर पत्नी गौरी अवस्थी वहां पर पहुंची और विरोध करने लगी तो पंकज यादव समेत अन्य ने उनके सा भी अभद्रता की।

अलविदा दोस्त... लिख छात्र ने दी जान, मैसेज देख दोस्त पहुंचा तो फंदे पर लटका मिला शव

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में बेली कॉलोनी में किराए के कमरे में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतापगढ़ हथिगहां के दलापुर धीमी निवासी 20 वर्षीय साहिल यादव ने शुक्रवार रात फांसी लगाकर जान दे दी। खुदकुशी करने से पहले उसने फतेहपुर निवासी अपने दोस्त तरुण के मोबाइल पर अलविदा का मैसेज भेजा था। छात्र के आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया है। कमरे से सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पुलिस छानबीन कर रही है।

साहिल यादव पुत्र रामप्रताप यादव 11 जून को बेली कॉलोनी में कमलेशत्रिपाठी के मकान में किराये पर रहने आया था। शनिवार सुबह लगभग सात बजे साहिल का दोस्त तरुण पाल कमरे पर आया। दरवाजा खुला होने से वह अंदर गया तो साहिल फांसी के फंदे पर लटक रहा था। तरुण ने फोनकर घटना की जानकारी साहिल के भाई को दी। बगल के कमरे में रहने वाले एक छात्र ने मकान मालिक के बेटे अंकुर त्रिपाठी को बताया तो उसने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कुछ देर बाद

साहिल के बड़े भाई अमितव अन्य परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

घरवाले भी नहीं बता सके कि साहिल ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया ? साहिल के पिता और दो बड़े भाई अभय और अजीत दिल्ली में रहकर नौकरी करते हैं। साहिल चार भाइयों में सबसे छोटा था। वह बीए की पढ़ाई के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। इंस्पेक्टर कैंट ने बताया कि साहिल के भाई अमित यादव ने तहरीर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। साहिल के मोबाइल की भी जांच होगी।

रात 1.50 बजे तरुण को किया मैसेज

साहिल के मोबाइल से आखिरी मैसेज दोस्त तरुण पाल को भेजा गया था। बीती रात 1.50 बजे भेजे गए मैसेज में अलविदा दोस्त लिखा था। तरुण का कहना है कि सुबह उठने पर मैसेज देखा, तुरंत साहिल के कमरे पर गया। साहिल और तरुण के बीच आखिरी मैसेज से पहले भी व्हाट्सएप पर बातचीत हुई थी। साहिल के भाई और पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे कुछ दोस्तों ने बताया कि कुछ समय पहले तक साहिल और तरुण एक ही कमरे में साथ रहते थे। साहिल के घरवालों को संदेह है कि तरुण कुछ छिपा रहा है।

मौके पर टूटी पड़ी थी रस्सी

मकान मालिक और साहिल के दोस्तों के मुताबिक कमरे में नायलान की एक टूटी रस्सी पड़ी थी। इससे अनुमान है कि पहले उसने रस्सी के सहारे लटकने का प्रयास किया होगा। इसके बाद उसने चादर फाड़कर उससे फंदा बनाया और कुर्सी पर खड़ा होकर पंखे से लटक गया।

बिजली कटौतीः उपकेंद्र घेरकर बंद कराई आपूर्ति

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। भीषण गर्मी में बिजली कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया है। शनिवार को झूंसी के हवेलिया इलाके में लगातार हो रही कटौती से स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। झूंसी के आवास विकास कॉलोनी योजना तीन के सेक्टर 11 स्थित उपकेंद्र पर जाकर हंगामा शुरू कर दिया।

विरोध जताते हुए वहां से संचालित होने वाले सभी इलाकों की बिजली आपूर्ति ठप करा दी। जेई और एसडीओ के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। रात में उन्हें समझाने के लिए पुलिस को बुलाया गया। भीषण गर्मी में हो रही अघोषित बिजली कटौती से लोगों में आक्रोश पहले से है।

लोकल फाल्ट के चलते झूंसी हवेलिया के संगम विहार, लक्कड़ बाबा के पास दर्जनों घरों में चार दिन से बिजली कटौती बढ़ गई है। शनिवार शाम छह बजे भी बिजली गुल हो गई। इससे नाराज दर्जनों लोग उपकेंद्र पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। पार्षद हवेलिया गुल्फिरोज ने बताया कि लोकल फॉल्ट के चलते हर एक से दो घंटे में बिजली गुल हो जा रही है। बार–बार केबल बदला जाता है लेकिन समस्या बरकरार है। हंगामा कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि जेई और एसडीओ फोन रिसीव नहीं करते हैं। कहने लगे कि जब तक एसडीओ आशीष कुमार सिंह मौके पर नहीं आएंगे, बिजली आपूर्ति बहाल नहीं करने देंगे। शाम से लेकर रात साढ़े नौ बजे तक यही स्थिति बनी रही। आखिर में छतनाग चौकी इंचार्ज दीपक जायसवाल फोर्स के साथ पहुंचे। पार्षद कोहना अनिल यादव ने लोगों को समझा बुझाकर माहौल शांत कराया।

इस प्रकरण में अधीक्षण अभियंता भरत सिंह ने बताया कि झूंसी में बिजली विभाग की ओर से मरम्मत कार्य चल रहा है। इसी कारण कुछ देर के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रही। हंगामा होने पर पुलिस को बुलाकर माहौल शांत कराया गया है। वहीं, शहर में भी घोषित कटौती और ट्रिपिंग के कारण बिजली ने परेशान कर दिया है।

इस भीषण गर्मी में छोटा बघाड़ा में शनिवार को सुबह से ही लगातार ट्रिपिंग से लोग परेशान हुए। राजेश यादव, विक्रम शाह का कहना है कि सुबह नौ बजे से शाम तक बिजली की आवाजाही लगी रही, जिसके कारण एसी में भी कमरा ठंडा नहीं हो पा रहा था। वहीं, मुंडेरा, करेली, अल्लापुर, कीडगंज समेत अन्य इलाकों में भी दिन और रात में ट्रिपिंग से लोग परेशान हुए।

बिजली विभाग की छापामारी से खलबली, काटे बिजली के 246 कनेक्शन

प्रयागराज। वाराणसी से आई बिजली विभाग की टीम के साथ शनिवार को शहर से लेकर देहात पर गहन चेकिंग अभियान चलाया गया। विजिलेंस के साथ बिजली विभाग ने सुबह से शाम तक छापामारी की। इससे सैकड़ों परिवारों में खलबली मची रही। बिल बकाया होने पर 246 उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन काट दिया गया। वहीं, 84 मकानों में बिजली विभाग की टीम ने बिजली चोरी पकड़ी। इनमें घर से लेकर लॉज और कामर्शियल कनेक्शन शामिल रहा। सभी उपभोक्ताओं के खिलाफ बिजली चोरी के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। विद्युत नगरीय मंडल द्वितीय के प्रभारी अधीक्षण अभियंता मनोज गुप्ता ने बताया कि टैगोर टाउन, मेयोहाल और बमरौली डिविजन के फाफामऊ, ऊंचवागढ़ी से लेकर धूमनगंज तक छापामारी की।

बिल बकाया होने पर 81 कनेक्शन काटे और 24 उपभोक्ता बिजली चोरी के आरोप में पकड़े गए।

10 लाख रुपये बकाया बिल जमा कराया गया। वहीं, मंडल प्रथम के प्रभारी अधीक्षण अभियंता भरत सिंह ने बताया कि रामबाग, कल्याणी और करेलाबाग और नैनी डिविजन में 18 उपभोक्ता पर बिजली चोरी का केस दर्ज हुआ।

इसके अलावा 63 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटे गए। गंगापार के एक्सईएन शिव कुमार ने बताया कि झूंसी, फूलपुर, हनुमानगंज समेत अन्य एसडीओ के साथ अभियान चलाकर बिजली बकायेदार 33 उपभोक्ता के कनेक्शन काटे गए। 15 लोग बिजली चोरी में पकड़े गए।

यमुनापार के एक्सईन संघ प्रिय गौतम ने बताया कि अभियान में 27 लोगों पर मुकदमा और 69 उपभोक्ता के कनेक्शन काटे गए। इस ऑपरेशन में एक्सईएन राघवेंद्र प्रताप सिंह, एक्सईएन एसके सिंह, एक्सईएन उमाकांत, एसडीओ बीरेंद्र सिंह, पवन सिंह, अतुल गौतम आदि शामिल रहे। गंगापार में 33 कनेक्शन काटे, 15 पर मुकदमा यमुनापार में 69 कनेक्शन काटे, 27 पर मुकदमा शहर के द्वितीय मंडल में 81 कनेक्शन काटे, 24 पर मुकदमा शहर के प्रथम मंडल में 63 कनेक्शन, 18 मुकदमा।

समापन पर निदेशक से बोले बच्चे `धन्यवाद सर'

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में चल रही ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का समापन बच्चों के लिए यादगार लम्हा बन गया। संग्रहालय परिसर में समापन पर निदेशक राजेश मिश्र जब प्रतिभागी बच्चों को संबंधित विषयों की सहभागिता करने पर प्रमाणपत्र वितरित कर रहे थे तो अधिकतर बच्चों ने उन्हें 'धन्यवाद सर बोलकर अभिवादन किया। कार्यशाला में शास्त्रीय गायन, भरतनाट्यम, आर्ट एंड क्राफ्ट व पुरातात्विक उत्खनन पर अलग अलग दिनों में कार्यशाला आयोजित कराई गई थी। निदेशक ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि एक सांस्कृतिक संस्थान होने के नाते यह हमारा नैतिक दायित्व है कि बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़कर रखा जाए।

अस्पताल संस्थापक के भतीजे को मिली नीट में सफलता

प्रयागराज। प्रतापगढ़ रानीगंज तहसील के भैंसोना के नारायण स्वरूप हास्पिटल के संस्थापक डॉ. राजीव सिंह के भतीजे मेहुल सिंह ने नीट ऑल इंडिया में 9844 रैंक हासिल की है। मेहुल के पिता आरके सिंह एयर फोर्स से सेवानिवृत्त हैं। वर्तमान में रानीगंज में शिक्षक हैं। मां डॉक्टर रेखा सिंह चिकित्सक हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि भैंसोना गांव में विगत कुछ वर्षों में 12 से अधिक युवाओं ने नीट में सफलता प्राप्त की है। पांडेय क्लासेज के डॉ. एससी पांडेय का दावा है कि संस्थान के 84 छात्र–छात्राओं ने नीट में सफलता हासिल की है। इसमें लकी सुमन, महेश पांडेय, प्रिया गुप्ता, रूपेश, अक्षिता गोयल, इकरा, कृष्णा गुप्ता, शिवम पांडेय, अक्षरा गोयल, नरेश, वर्षा, दीपा मौर्या, यश सिंह समेत अन्य ने सफलता प्राप्त की है।

एमबीए के चार छात्रों को मिली नौकरी

प्रयागराज। बीबीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में एमबीए के चार विद्यार्थी राहुल सिंह, सौमित्र सिंह, सृष्टि यादव, व अनुष्का श्रीवास्तव का कैंपस प्लेसमेंट के तहत मैनेजमेंट ट्रेनी पद पर चयन हुआ। चयनितों को ६4.70 लाख का पैकेज मिला है। आठ छात्रों को वेल्थ मैनेजमेंट में इंटर्नशिप ऑफर मिला जिनमें साक्षी सिंह, अनन्या केसरवानी, समीर मौर्या, चार्मी मिश्रा, साक्षी मिश्रा, रिया पांडे, अनुराग त्रिपाठी, व निलेश यादव शामिल हैं।

शंभूनाथ के 11 छात्रों को मिला प्लेसमेंट

प्रयागराज। शंभूनाथ इंस्टीट्यूशंस में कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन हुआ। इसमें एमबीए के 11 विद्यार्थियों को नौकरी मिली। उत्कर्ष विश्वकर्मा, आयुष सिंह, पूर्णिमा, शिवम, आकाश चौरसिया, योगेश मिश्रा, शिवानी सिंह, मुकुल कुमार, विशाल सिंह, अभिषेक पाल का मैनेजमेंट ट्रेनी प्रोफाइल के लिए 3.25 लाख के सलाना पैकेज पर चयन हुआ है। संस्थान के निदेशक डॉ. आरके सिंह और सचिव कौशल कुमार तिवारी ने चयनितों को बधाई दी।

खुद की बहुत साधारण जिंदगी, पर बेटे-बेटियों को बनाया कामयाब

प्रयागराज। हमेशा से बच्चों के पालन–पोषण का जिम्मा मुख्य रूप से मां का माना जाता रहा है। लेकिन मां के साथ बच्चों की परवरिश में पिता का भी बहुत बड़ा योगदान होता है। संतान के पालन–पोषण, पढ़ाई–लिखाई से लेकर उनके करियर को सफल बनाने की चिंता पिता को ही सबसे ज्यादा रहती है। शहर में कुछ ऐसे लोग हैं जिन्होंने पिता के साथ मां व अन्य किरदारों को बाखूबी निभाकर बच्चों को कामयाबी दिलाई है।यूपीएससी परीक्षा में देशभर में पहला स्थान प्राप्त करने वालीं शक्ति दुबे के सपने को उड़ान देने में उनके पिता देवेन्द्र दुबे की अहम भूमिका रही है। बहादुरगंज के रहने वाले संगीतकार राजेश श्रीवास्तव के बेटे रिदम ने इस वर्ष कानपुर से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है। बेटी पलक सारेगामापा लिटिल चौंप और वाइस इंडिया किड्स में अव्वल रही। करबला के रहने वाले चंद्रपाल दयाल कठिन परिस्थितियों में खेल के लिए बेटे की प्रतिभा पर उसकी तनिक भी आंच नहीं आने दी। नतीजा सबके सामने है। यश दयाल आईपीएल चौंपियन रॉयल चौलेंजर बेंगलुरु का हिस्सा है।

अब पूरा शास्त्री पुल होगा जगमग

प्रयागराज। आने वाले पांच से छह दिनों में शास्त्री पुल का पूरा हिस्सा रातभर रोशनी से जगमगाता नजर आएगा। ठीक वैसे ही जैसे नया यमुना पुल आकर्षक रोशनी की छटा बिखेर रहा है। इसके लिए महाकुम्भ के बचे हुए कार्यों के अंतर्गत पर्यटन विभाग की ओर से फसाड लाइट लगाने का काम कराया जा रहा है। वर्ष 2019 के कुम्भ में झूंसी से शहर की ओर आने वाली लेन पर चार सौ मीटर की दूरी तक फसाड लाइट लगाई गई थी। नगर निगम की ओर से कनेक्शन की सुविधा नहीं दिए जाने से लाइट बंद रहती थी लेकिन अब लाइटिंग के लिए कनेक्शन की समस्या दूर की जा चुकी है। मई के तीसरे सप्ताह में निगम ने कनेक्शन और लाइटिंग के भुगतान को लेकर पर्यटन विभाग से समझौता किया था। जिसके बाद उप्र पर्यटन राज्य पर्यटन विकास निगम ने फसाड लाइट लगाने का काम शुरू किया। यह लाइट साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से सरदार पटेल संस्थान से पुल पर जाने वाले 1.2 किमी के नीचे के हिस्से में लगाई जा रही है। इसके रखरखाव व मरम्मत की जिम्मेदारी पांच वर्षों के लिए पर्यटन विकास निगम उठाएगा, जबकि बिजली के बिल का भुगतान नगर निगम करेगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि लाइटिंग का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। जिसे महाकुम्भ की सौंदर्यीकरण की योजना के अंतर्गत कराया जा रहा है।

इजरायल-ईरान तनाव के बीच सोने की कीमत एक लाख पार

प्रयागराज। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध जैसे हालातों का असर अब सीधे तौर पर अंतरराष्ट्रीय बाजार और सर्राफा बाजार तक पहुंच गया है। शनिवार को सोने की कीमत में एक बार फिर जोरदार उछाल देखने को मिला और 24 कैरेट सोना प्रयागराज में एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत 98,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। चांदी एक लाख पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। यह दूसरी बार है जब दो महीनों के भीतर सोने की कीमतें एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार गई हैं। अप्रैल के तीसरे सप्ताह में भी यही स्थिति बनी थी, लेकिन फिर थोड़ी नरमी आई थी। अब एक बार फिर कीमतें आसमान छू रही हैं। बढ़ी हुई कीमतों का असर सीधा बाजार पर पड़ रहा है। प्रयागराज के प्रमुख सर्राफा बाजारों में शनिवार को खरीदार न के बराबर दिखाई दिए। दुकानों में सन्नाटा छाया रहा। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष दिनेश सिंह ने बताया कि सोने की कीमतों में इस तरह की उछाल ने सभी को चौंका दिया है। यह कहना मुश्किल हो गया है कि कीमतें यहां से ऊपर जाएंगी या गिरेंगी। लोग खरीदारी से पीछे हट रहे हैं जिससे बाजार में मायूसी है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता की भूमिका विषयक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रतापगढ़। शनिवार की देरशाम नगर के मीरा भवन चौराहा स्थित लीला पैलेस में सामाजिक एवं संवैधानिक जागरूकता समिति एवं सत्प्रेरणा के तत्वावधान में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पत्रकारिता की भूमिका विषय पर एक संगोष्ठी और पत्रकार अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सह क्षेत्र प्रचार प्रमुख और राष्ट्र धर्म पत्रिका के निदेशक मनोजकांत, मुख्य अतिथि जिला अधिकारी शिव सहाय अवस्थी, अति विशिष्ट अतिथि विभाग प्रचारक ओम प्रकाश, पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार, विशिष्ट अतिथि केकेसी डिग्री कॉलेज लखनऊ के प्रोफेसर गिरिजेश त्रिपाठी, पट्टी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अखिलेश पांडेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार श्यामलाल मिश्र ने किया। कार्यक्रम का आयोजन सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, नई दिल्ली बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष आलोक कुमार पांडेय और संयोजन सत्प्रेरणा के प्रबंधक डॉ. सौरभ पांडेय ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता मनोजकांत ने कहा कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में पत्रकारिता की विशिष्ट भूमिका है। सकारात्मक और सृजनशील पत्रकारिता के आधार पर पूरे विश्व में भारतवर्ष को विशिष्ट स्थान दिलाने में पत्रकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। उन्होंने पत्रकार बंधुओ से पंच परिवर्तन विषय जिसमें प्रमुख रूप से कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य सम्मिलित है, की दिशा में विशेष कार्य करने का आवाहन किया। कहाकि पंच परिवर्तन के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा सकते हैं। आज की वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण संरक्षण और परिवार संरक्षण में मीडिया की भूमिका बढ़ जाती है। एक तरफ जहां अनेक प्रकार की विषम परिस्थितियों दिखाई पड़ती हैं वहीं दूसरी ओर उनका समाधान भी कहीं न कहीं समाज के प्रबुद्ध पत्रकारों के माध्यम से ही आता है। वास्तव में पत्रकार सृजनशील होता है और समाज को दिशा देने का कार्य करता है। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने कहा कि आज पत्रकारिता के विभिन्न आयामों की अलग–अलग उपयोगिता है। एक तरफ जहां प्रिंट मीडिया अनेक वर्षों से समाज जागरण का कार्य कर रही है तो दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से समाज को त्वरित जानकारी मिल रही है। वर्तमान समय में सूचना क्रांति के युग में संवाद का क्रम बढ़ा है। ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भी तुरंत खबरों का आदान–प्रदान होता है। ऐसी स्थिति में यूट्यूब के माध्यम से पत्रकारिता करने वालों की भूमिका भी बढ़ी है। समाज जागरूक हो रहा है और उसमें पत्रकारिता की विशिष्ट भूमिका है। आज जिस प्रकार से संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए पत्रकारिता चरमोत्कर्ष की ओर है वह राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण करने में सक्षम है। पत्रकार बंधुओ की समय–समय पर विशिष्ट भूमिका रही है जो लोकतंत्र को सशक्त करने में महत्वपूर्ण सिद्ध होती है। अति विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने कहा की समय–समय पर लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभों की सार्थकता और उपयोगिता सिद्ध होती है और उसमें पत्रकार बंधुओ की महत्वपूर्ण भूमिका चारों ओर दृष्टिगत होती है। पत्र, पत्रिका और पत्रकार समाज के दर्पण हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. गिरिजेश त्रिपाठी और डॉक्टर अखिलेश पांडेय ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए पत्रकारिता की भूमिका पर अपना विषय रखा। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्यामलाल मिश्र ने ऐसे कार्यक्रमों की उपाध्ययिता पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान परिपेक्ष में पत्रकारिता की भूमिका को सशक्त करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के आयोजक आलोक कुमार पांडे ने अतिथियों का स्वागत करने के साथ–साथ विषय प्रवर्तन किया। कहा कि आज पूरे विश्व में भारतवर्ष की सशक्त समृद्धि संस्कृति सामाजिक जड़ता राष्ट्रीय उन्नयन और सामाजिक सुधारीकरण में पत्रकार बंधुओ की बड़ी भूमिका है। आगे भी इस भूमिका को आगे बढ़ते हुए हम सभी पत्रकार बंधुओ के सृजन की दिशा में कार्य करेंगे। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन डॉक्टर सौरभ पांडेय ने किया। कार्यक्रम में सामाजिक रूप से विशिष्ट भूमिका का निर्माण करने हेतु शिव प्रकाश मिश्रा सेनानी और सिंधुजा मिश्रा सेनानी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रतापगढ़ के सम्मानित सभी पत्रकार बंधुओ का अभिनंदन किया गया। प्रतापगढ़ के पत्रकार बंधुओ ने भारी संख्या में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम की सफलता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर शैलेंद्र मिश्रा गुरूजी, रमेश रामनाथ यादव, संतोष भगवन, कृष्णानंद त्रिपाठी, अश्वनी सिंह, गिरिजेश त्रिपाठी, आदित्य मिश्रा, अशोक सिंह, मनोज त्रिपाठी, विवेक कुमार पांडेय, अमितेंद्र श्रीवास्तव राज नारायण शुक्ला राजन, रमेश त्रिपाठी, अमित शुक्ल,बृजेन्द्र सिंह बबलू, अमित पांडेय, बच्चा मिश्रा रानीगंज, पवन मिश्रा बनकटा, अजीत प्रताप सिंह, अतुल यादव, रजनीश द्विदी राहुल, बृजेश मिश्रा, सुनील यादव, यादवेंद्र सिंह ओम, सर्वेश शर्मा, विनय पाठक, संजय द्विदी, वरुण श्रीवास्तव, अभिषेक मिश्रा, अनूप उपाध्याय अनुपम, अभ्युदय सिंह, आशुतोष त्रिपाठी, बृजेश विश्वकर्मा, धर्मेंद्र सिंह, रवि प्रकाश सिंह चंदन, गौरव श्रीवास्तव, विश्वनाथ त्रिपाठी, अजय पांडेय, अखिल नारायण सिंह समेत संपूर्ण जनपद से पत्रकार बंधुओ के साथ ही समाज जीवन में कार्य करने वाले पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्रा, शिव शंकर सिंह भाजपा नेता आशुतोष त्रिपाठी ,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल सिंह, ज्योतिषाचार्य आलोक ऋषिवंश, ओम प्रकाश पांडेय गुड्डू, गिरिजा शंकर मिश्रा, डॉ रंगनाथ शुक्ला, डॉ कामायनी उपाध्याय एमडीपीजी के प्राचार्य डॉक्टर शैलेंद्र मिश्र,डॉ किरण मिश्रा, संजीव आहूजा, अश्विनी केशरवानी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रुचि केसरवानी, मनप्रीत कौर,कुलदीप सिंह, डॉ अनीता पांडे अनीता पांडेय,प्रमिला शुक्ला, सुनील दुबे, आलोक गर्ग, विजय मिश्रा, आनंद प्रचंड आदि उपस्थित रहे ।

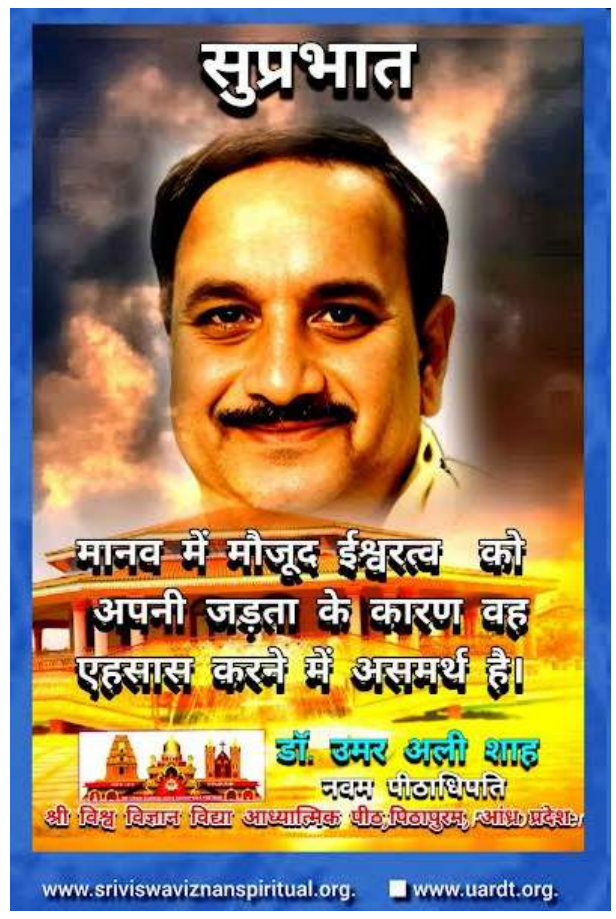

मधुर मल्लिका आम

(कुण्डलिया)

दक्षिण में ननिहाल है, उत्तर में दधिहाल।
जन्मभूमि है लखनऊ, भरते आम अलाप।
भरते आम अलाप, बता मल्लिका कहानी।
नीलम माँ का नाम, दशहरी पापा नामी।
सुन लो कहें प्रदीप,न कहना इसको दर्पित।
मधुर मल्लिका आम, धरे गुण उत्तर दक्षिण।।

मध्यम से भी है बड़ा, नाम मल्लिका आम।
भारी भरकम देंह है,लगभग छः सौ ग्राम।
लगभग छः सौ ग्राम, स्वाद में सोना सोना।
गूदा रेशेदार, रंग है मधुर सलोना।
सुन लो कहें प्रदीप,सदा यह रखकर संयम।
सबसे करके प्रीति, कहे मत कहना मध्यम।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

दलितों पिछड़ों को हटाने के लिए ये सरकारें प्राइवेटाइजेशन कर रही : बाबू सिंह कुशवाहा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के कैसरबाग स्थित गांधी भवन में रविवार को जन अधिकार पार्टी ने प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया जिसमें आने वाले पंचायत तथा जिला पंचायत चुनावों को लेकर मंथन किया गया। जौनपुर से सांसद तथा जन अधिकार पार्टी के संस्थापक बाबू सिंह कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि मौजूदा सरकारें दलितों पिछड़ों और वंचितों को दूर हटाने के लिए लगातार प्राइवेटाइजेशन कर रही है क्योंकि प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि जन अधिकार पार्टी पूरी मजबूती के साथ जिला पंचायत चुनावों में उतरेगी क्योंकि जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी भागीदारी होती है। जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा ने कहा कि जब तक आपका बूथ मजबूत नहीं होगा तब तक आपकी सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो सकेगी। पार्टी कार्यकर्ताओं का आवाह्न करते हुए उन्होंने कहा कि गांव गांव जाकर एससी एसटी ओबीसी और दबे कुचले लोगों से सम्वाद स्थापित करना होगा। प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता बैठक में पूरे प्रदेश से आएं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

3 लुटेरे और ज्वेलर्स गिरफ्तार, महिला दुकानदारों से लूटते थे गहने

लखनऊ, संवाददाता। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में हुई चेन स्नैचिंग की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने तीन लुटेरों और एक ज्वैलर्स को गिरफ्तार किया है। मामला गोसाईंगंज के निजामपुर का है। यहां परचून की दुकान चलाने वाली सियारानी से बाइक सवार तीन लुटेरों ने 10 रुपए का गुटखा खरीदने के बहाने सोने की चेन छीन ली थी। पीड़िता के बेटे अजय साहू की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। घटना की जांच के लिए 5 पुलिस टीमें लगाई गईं। टीमों ने आसपास के करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। 14 जून की शाम को मुखबिर से संदिग्धों की पहचान दीपक श्रीवास्तव, हर्षित यादव और प्रांशु वर्मा के रूप में हुई। रात 9 बजे पुलिस ने रेलवे क्रॉसिंग के पास से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने चोरी की चेन को गोसाईंगंज स्थित श्रीकृष्ण ज्वैलर्स में 31,000 रुपए में बेच दिया था। पुलिस ने ज्वैलर्स के मालिक शुभम गुप्ता से पूछताछ की। शुरू में उसने चेन खरीदने से इनकार किया। बाद में उसने स्वीकार किया कि 9 ग्राम वजन की 18 कैरेट सोने की चेन, जिसकी कीमत करीब 70,000 रुपए थी, उसने 31,000 रुपए में खरीदी थी। पूछताछ में शुभम ने चोरी के कई अन्य जेवरात भी सस्ते दामों में खरीदने की बात कबूल की। शुभम गुप्ता चोरी के जेवरात खरीदता–बेचता था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह मोटरसाइकिल से गांव के आउटर में स्थित दुकानोंध्गुमटियों में जाकर रेकी करते थे। जिन दुकानों में महिलाएं अकेली दुकान चलाती मिलती थीं और सोने–चांदी के आभूषण पहने रहती थीं। उनको चिह्नित कर लिया जाता था। फिर अंधेरा होने के बाद तीनों अभियुक्त उस दुकान में जाते थे और उनमें से किसी एक अभियुक्त के द्वारा दुकान में जाकर सामान खरीदने के बहाने महिला को व्यस्त रखा जाता था और बाकी दो अभियुक्त मोटरसाइकिल स्टार्ट करके रखते थे। अभियुक्त महिला के आभूषण छीनकर मोटरसाइकिल पर बैठकर भाग जाते थे।

सीपी ऑफिस और थाने के बाहर लात–घूंसे चले, कम पुलिस देखकर भिड़े दो पक्ष

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में एसीपी कार्यालय और थाने के बाहर रविवार को खूब लात–घूंसे चले। इस दौरान एक सिपाही बीच–बचाव कराने की कोशिश करता रहा, लेकिन सफल नहीं हुआ। दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। एक–दूसरे को खदेड़–खदेड़कर मारा। हालांकि, बाद में अन्य पुलिसकर्मियों ने पहुंचकर 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। घटना मोहनलालगंज एसीपी कार्यालय और मोहनलालगंज थाने के बाहर का है। बताया जा रहा है कि ज्यादातर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में लगी थी। यहां पर पुलिस की संख्या कम थी। कम पुलिसवाले देखकर थाने में शिकायत करने आए लोग आपस में भिड़ गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक सिपाही दोनों पक्षों को शांत करने का प्रयास करता दिख रहा है।

कलम के सिपाहियों के साथ सदैव खड़ा प्रयागराज एनयूजे

अहमादबाद विमान हादसे मारे गए यात्रियों को एनयूजे प्रयागराज ने दी श्रदाजँलि

प्रतापगढ़। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज जिला इकाई की जून माह की बैठक सिविल लाइन स्थित डायट सभागार मे संरक्षक पवन दिवेदी तथा संरक्षक परवेज आलम की उपस्थिती मे जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव के अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ बैठक का संचालन संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला ने किया। बैठक मे सर्वप्रथम अहममदाबाद मे विमान हादसे मे मारे गए यात्रियो को दो मिन्ट का मौन रखकर श्रदाजँली दी गयी । इश्रवर से प्राथॅना की गयी की मृत आत्माओ को अपने श्रीचरणो मे स्थान दे तथा शोक संतप्त परिवार को यह हद्रयविधारक घटना को सहन करने शक्ती प्रदान करे।

मई माह के बैठक मे जिन पदाधिकारियो सदस्यो ने अपरिहायॅ कारणो से अपना परिचय पत्र नही ले पाए थे उन्हे आज संगठन के संरक्षक पवन दिवेदी संरक्षक परवेज आलम ने संगठन के परिचय पत्र प्रदान किया। बैठक मे संरक्षक पवन दिवेदी ने कहाँ कि संगठन आर्थिक मजबूती की दिशा मे काम हो रहा है जिससे जरूरत पडने पर किसी भी सदस्य की आर्थिक सहायता संगठन की ओर से की जा सके। संरक्षक परवेज आलम ने कहाँ कि संगठन दूारा बहुत

जल्द पत्रकारिता पर विचार गोष्ठियो का आयोजन किया जाएगा जिसमे पत्रकारिता मे मुकाम हासिल कर चुके वरिष्ठ पत्रकारो का सम्बोधन का कार्यक्रम तय किया जाएगा यह गोष्ठी प्रतिमाह मासिक बैठक मे ही आयोजित की जाएगी।

बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहाँ कि पत्रकारिता एक जोखिम भरा कार्य है इस लिए सगठन अपने सभी सदस्यो पर पैनी निगाह रखता है हर परिस्थिती मे संगठन अपने पत्रकार साथियो के साथ सदैव खडा है हम सबका यह भी प्रयास है जरूरत पडने पर अपने पत्रकार साथियो की आर्थिक मदद स्वास्थ को लेकर करने या किसी खबर को लेकर प्रकरण मा0न्यायलय मे जाने पर कानूनी मदद देने के दिशा मे भी हम प्रयासरत है मेरे कहने का मतलब है संगठन आपके साथ खडा है।

वही बैठक के संचालन करते हुए जिला संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला ने कहाँ कि लगातार संगठन मे सदस्यो की संख्या बढ रही है इसके लिए सभी सदस्य पदाधिकारी बधाई के पात्र है संगठन मे एकता तथा सहयोग पर विशेष बल दिया जा रहा हम सब एक है एक की समस्या हम सबकी समस्या है । इसी क्रम में संगठन के जिला मंत्री सौरभ कुमार आदर्श का जन्म उत्सव भी केक काटकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए संगठन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी । बैठक उपस्थित सर्वश्री पवन दिवेदी परवेज आलम कुन्दन श्रीवास्तव अखिलेश शुक्ला चित्रांशी यादव असद कुरैशी शनि कुमार केसरवानी मधुर दरबारी रंजीत निषाद इरफान खान ब्रिजेश कुमार केसरवानी सौरभ कुमार आदर्श शिव कुमार पान्डेय मो नसीम खान नफीस अहमद शीतला प्रसाद तिवारी शिव जी मालवीय राजीव कुमार सिह शेखर आदर्श राम बाबू मुकेश कुमार गुप्ता अजय सिंह मिथलेश त्रिपाठी भालचद्रं पान्डेय सत्यम निषाद अमित कुमार श्रीवास्तव अनिल त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

केदारनाथ में हेलिकॉप्टर क्रैश पर अखिलेश ने मृतकों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केदारनाथ में हेलिकॉप्टर क्रैश की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ में हेलिकॉप्टर क्रैश की घटना पर मृतकों को श्रद्धांजलि एवं परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अखिलेश ने कहा कि सरकार सुनिश्चित करे कि सुरक्षा मानकों पर खरे उतरे बिना कोई भी उड़ान न भरी जाए। आप को बता दें कि आज सुबह केदारनाथ से तीर्थ यात्रियों को लेकर आर्यन कंपनी का हैली गौरीकुण्ड खर्क की पहाड़ियों में क्रैश हो गया। इसमें में पायलट समेत सात लोगों की मृत्यु हो गई है। आर्यन कम्पनी का हैली गुप्तकाशी से सुबह 5 बजकर 15 मिनट पर केदारनाथ के लिए यात्रियों को लेकर गया जिसके बाद वह 5 बजकर 25 मिनट पर केदारनाथ से वापस लौट रहा था, खराब मौसम के चलते यह हैली गौरीकुण्ड खर्क की पहाड़ियों में क्रैश हो गया। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई।

काकोरी के कन्या इंटर कॉलेज में मिला चपरासी का शव, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ, संवाददाता। काकोरी के कन्या इंटर कॉलेज में एक दुखद घटना सामने आई। स्कूल के चपरासी सैयद अली का शव रविवार सुबह साढ़े सात बजे स्कूल परिसर में मिला। मोहल्ले के खेलने आए बच्चों ने सबसे पहले शव को देखा और अन्य लोगों को सूचित किया। सैयद अली गोंडा जनपद के बलरामपुर पिपरा गांव के रहने वाले थे। वह कई वर्षों से स्कूल परिसर में बने एक कमरे में रहकर चपरासी की नौकरी कर रहे थे। इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि रात में हुई बारिश के कारण शव भीगा हुआ था। पुलिस को प्राथमिक जांच में अत्यधिक गर्मी के कारण बुजुर्ग की मौत होने की आशंका है। उनका शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सटीक कारण पता चल सकेगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थल भी होंगे योगमय

21 जून को मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

लखनऊ, संवाददाता। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की तैयारियां पूरे जोश के साथ आगे बढ़ रही हैं। हर बार की तरह इस बार योग दिवस को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ते हुए ऐतिहासिक स्थलों पर विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। गोरखपुर के गोरखधाम मंदिर, प्रयागराज के त्रिवेणी संगम, सीतापुर के नैमिषारण्य चक्र तीर्थ और वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम जैसे धार्मिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जाएगा।

लखनऊ के राजभवन और मथुरा के प्रेम मंदिर में भी योग से जुड़ी गतिविधियों का भव्य आयोजन किया जाएगा।ग्राम पंचायत, ब्लॉक, तहसील और जिले के ऐतिहासिक स्थलों पर भी योग सत्र आयोजित होंगे। 15 जून से योग सप्ताह की शुरुआत के साथ पूरे प्रदेश में जनपद एवं राज्य स्तर पर कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। प्रतिभागियों को योग प्रतिज्ञा दिलाई गई।

16 जून को स्कूलों और महाविद्यालयों में योगासन के साथ–साथ पोस्टर, भाषण, निबंध, प्रश्नोत्तरी और रंगोली प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।17 जून को 'आयुष ग्राम योग दिवस' के तहत ग्राम पंचायतों में योग सत्र और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित होंगे।18 जून को विशेष वर्ग से दिव्यांग, कैदी, अनाथालयों, झुग्गीवासियों के लिए योग कार्यक्रम तय हैं।19 जून को सरकारी और कॉर्पोरेट दफ्तरों में सामूहिक योगाभ्यास होगा।20 जून को महिला स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए छात्राओं, गर्भवती, प्रौढ़ और कामकाजी महिलाओं के लिए योग सत्र होंगे।

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राजभवन लॉन, रेजीडेंसी और सभी जिला मुख्यालयों पर सामूहिक योगाभ्यास आयोजित होगा। इसी दिन जनपद और राज्य स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।राज्य व जनपद स्तर पर निबंध, स्लोगन, चित्रकला और योगासन प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं। 16 जून को शाम 5 बजे तकीजजचरूध्पलक2025.बवउ पोर्टल पर प्रविष्टियां ली जाएंगी। 21 जून को मुख्य आयोजन के बाद इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार 21,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 11,000 रुपए, तृतीय पुरस्कार 5,100 रुपए, चतुर्थ पुरस्कार 2,100 रुपए और पंचम पुरस्कार पुरस्कार 1,100 रुपए का होगा। जनपद स्तर पर पुरस्कार वितरण हेतु सभी 75 जिलों को 2.63 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि आवंटित कर दी गई है।

लखनऊ में केंद्रीय विद्यालय संगठन का वार्षिक सम्मेलन, शिक्षा नीति और शैक्षणिक प्रदर्शन पर चर्चा

लखनऊ, संवाददाता। केंद्रीय विद्यालय संगठन लखनऊ संभाग का तीन दिवसीय वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन रविवार को द रेग्नेंट होटल में शुरू हुआ। सम्मेलन में लखनऊ संभाग के 48 केंद्रीय विद्यालयों के प्राचार्य भाग ले रहे हैं। संभाग की उपायुक्त सोना सेठ ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।उन्होंने विद्यालयों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। सहायक आयुक्त अर्चना जायसवाल ने शैक्षणिक प्रदर्शन और वर्तमान सत्र की योजनाओं पर चर्चा की। सहायक आयुक्त अनूप अवस्थी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, पीएम योजना और विज्ञान–गणित शिक्षा के प्रोत्साहन पर विचार रखे। 16 जून को केंद्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय के उपायुक्त मनोज कुमार पांडे शैक्षणिक और आईटी विषयों पर चर्चा करेंगे। विजय कुमार राजभाषा और खेलकूद पर, जबकि एमपी सिंह वित्तीय मामलों पर सत्र लेंगे। अंतिम दिन केंद्रीय विद्यालय संगठन की आयुक्त निधि पांडे मुख्य अतिथि होंगी। वो उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत करेंगी। सम्मेलन में पिछले वर्ष की शैक्षिक गतिविधियों की समीक्षा और आगामी सत्र की रणनीति पर भी विचार–विमर्श होगा।

सम्पादकीय

हमले से पस्त ईरान

सुनियोजित व ठोस खुफिया जानकारियों के साथ इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों व शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर बड़े सधे हमले किए हैं। ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। जिससे ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस्राइल ने ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य अधिकारियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों व प्रमुख लोगों पर लंबी तैयारी के बाद सटीक हमले किए। कई बड़े अधिकारियों को उनके घरों में ही मार दिया गया। दरअसल, इस्राइल का मानना था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है। यहां तक कि परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए ने स्पष्ट शब्दों में ईरान पर परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। हमले में सेना प्रमुख के अलावा ईरानी सेना की सबसे ताकतवर शाखा रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर हौसेन सलामी को भी मार डाला गया। हमले में न केवल यूरेनियम संवर्धन प्रतिष्ठान पर हमला किया गया, बल्कि कई परमाणु वैज्ञानिकों को भी मार दिया गया। ईरान ने इस्राइल पर नागरिक ठिकानों पर हमला करने के आरोप लगाए। उत्तर पूर्वी ईरान के अलावा नतांज परमाणु केंद्र पर भी धमाके सुने गए। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को चेताया है कि जब तक ईरान की ओर से खतरे की आशंका खत्म नहीं हो जाती, ये हमले आगे भी जारी रहेंगे। दरअसल, इस्राइल का मानना रहा है कि ईरान संवर्धित यूरेनियम से परमाणु हथियार बनाने के करीब है, जो उसके अस्तित्व के लिये चुनौती है। इस्राइल ने ईरान पर उसके क्षेत्र में सैकड़ों ड्रोन दागने के भी आरोप लगाये हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने अमेरिका व इस्राइल को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर ईरान के सरकारी मीडिया ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर के कमांडर इन चीफ हौसैन सलामी सहित पांच शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत की बात स्वीकारी है। साथ ही दो महत्वपूर्ण परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। दरअसल, ईरान अमेरिका व इस्राइल के दावों को खारिज करते हुए कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिये है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की दलील है कि ईरान की बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता। वह संवर्धित यूरेनियम से जुड़े प्रश्नों के तार्किक जवाब नहीं दे पाया है। कहा जा रहा है कि ईरान के गुप्त परमाणु ठिकानों का पता चलने के बाद उसके परमाणु कार्यक्रम की मंशा संदिग्ध बन गई है। उसने संवर्धित यूरेनियम भंडार के बारे में सटीक जानकारी भी नहीं दी। आईएईए की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान इतना यूरेनियम संवर्धित कर चुका है कि वह नौ परमाणु बना सकता है। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री इस हमले में अमेरिका की सीधी भूमिका होने से इनकार कर रहे हैं। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार–बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इस्राइल–ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि इस्राइल और हमास, हिजबुल्ला व हूती विद्रोहियों के बीच पहले से जारी संघर्ष से संवेदनशील बने इलाके में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

वैश्विक–युद्ध का नया त्रिकोण? इजरायल ईरान और अमेरिका

संजीव ठाकुर

> *"इसराइल और अमेरिका ने लगातार दो दशकों से कई बार ईरान पर परमाणु हथियार विकसित करने तथा इसे इसराइल तथा अमेरिका के विरुद्ध इस्तेमाल करने की धमकी के रूप में आरोप लगाया है।"*

अब अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में नया और खतरनाक मोड़ ले लिया है नए संदर्भ में इजरायल ईरान और अमेरिका की भूमिका काफी खतरनाक और संदिग्ध हो गई है युद्ध का जुनून ईरान द्वारा परमाणु ईंधन यूरेनियम के भंडारण तथा उपयोग को लेकर अमेरिका तथा इसराइल के सिर पर चढ़कर बोलने लगा है स 13 जून को इसराइल का ईरान पर बड़ा हमला दोनों शत्रुओं के बीच कई दशकों पुरानी दुश्मनी का नतीजा है। इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू काफी लंबे समय से ईरान को अपना सबसे बड़ा दुश्मन और खतरा बताते आ रहे हैं। इसराइल ने ईरान पर हमले की योजना इसराइल हमास युद्ध के दौरान बना ली थी और इस हमले के नेपथ्य में इसराइल के विरुद्ध छद्म युद्ध रहा है। ईरान ने यमन में हूती विद्रोहियों और लेबनान में हिजबुल्ला को व्यापक समर्थन देकर इसराइल के लिए सुरक्षा के कई खतरे पर सवाल खड़े कर दिए थे। यह उग्रवादी अक्सर इजरायल में तोड़फोड़ हत्या और अनेकों आक्रमण में शामिल रहे हैं। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के तुरंत बाद से ही अमेरिका और इसराइल को अपना सबसे बड़ा तथा मुख्य विरोधी तथा दुश्मन मानता रहा है तभी से यह त्रिकोणीय संघर्ष और तनाव ताजा हमलों के रूप में सामने आया है। इसराइल और अमेरिका ने लगातार दो दशकों से कई बार ईरान पर परमाणु हथियार विकसित करने तथा इसे इसराइल तथा अमेरिका के विरुद्ध इस्तेमाल करने की धमकी के रूप में आरोप लगाया है। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल की ईरान से दुश्मनी काफी पुराने समय से पकती रही है जिसके फल स्वरुप इजरायल ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए जिससे सेना उप प्रमुख समेत ईरानी फौज के बीस महत्वपूर्ण कमांडर मारे गए हैं इसके अलावा ईरान के 6 परमाणु वैज्ञानिक भी मौत के घाट उतार दिए गए। इसराइल ने ऑपरेशन लॉयन के तहत 200 लड़ाकू विमान से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को तबाह किया है जिसका बहुत बड़ा कारण ईरान के सुप्रीम नेता खोमनई द्वारा इसराइल को कड़ी सजा देने की चेतावनी बताया गया है। वैसे अब इसराइल के इस बड़े हमले से पश्चिम एशिया में दो कट्टर दुश्मनों के बीच व्यापक तथा भयानक युद्ध की आशंका बढ़ गई है। ईरान ने इस हमले के जवाब में सो बमवर्षक ड्रोन इसराइल पर दागे थे जिसे इजरायल फौजों ने नाकाम भी कर दिया है। यरूसलम की समाचार एजेंसी के अनुसार इसराइल के ईरानी हमले पर ईरान के तीन शीर्ष फौजी के कमांडर मारे गए हैं इसमें ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी, और महत्वपूर्ण तथा शक्तिशाली अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी तथा ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली की मौत हो चुकी है। इसके अलावा ईरानी सुरक्षा बलों के 17 प्रमुख एवं वरिष्ठ कमांडर भी मारे गए हैं । यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि ईरान इजरायल के ईरान पर हमले से वरिष्ठ वैज्ञानिकों के मरने से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को एक बहुत बड़ा झटका लगा है इन वैज्ञानिकों की मौत से परमाणु बम बनाने के ईरानी सपनों की भी मौत हो गई है। ईरानी के सर्वोच्च नेता राष्ट्रपति अयातुल्लाह अली खामनेई ने कहा कि दुश्मन को बहुत पछताना पड़ेगा उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि इसराइल ने ईरान में हमले करके जो अपराध कर अपना खूनी हाथ दिखाया है उसके लिए उसे बहुत पछताना पड़ेगा इसराइल को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी हम अब चुप नहीं बैठेंगे और इसराइल इस ईरान के बदले को सदियों तक याद रखेगा। अंतर्राष्ट्रीय रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इसराइल और ईरान की लड़ाई परमाणु ईंधन यूरेनियम के ईरान द्वारा जमा किए जाने पर हुई है इसराइल के प्रधानमंत्री ने कहा है कि ईरान को किसी भी कीमत पर जमा किए गए यूरेनियम से परमाणु बम बनाने नहीं दिया जाएगा यह इजरायल की पीढ़ियों के लिए खतरा बन गया है और जब तक ईरान इस बात से सहमत नहीं होगा कि वह परमाणु बम नहीं बनाएगा यह ऑपरेशन राइजिंग लायन जारी रहेगा। इधर इजराइल में आपातकाल घोषित कर दिया गया तथा इसराइल ने दुनिया भर में अपने सभी दूतावासों को बंद कर दिया है उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि ईरान इजरायल के आवासीय परिसरों में हमला कर सकता है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने इसराइल के पक्ष में अजीबो–गरीब बयान दिया है उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए समझाया है कि समझौते के लिए अभी भी सही समय है नहीं तो परिणामतः इसराइल के हमले और तेज तथा बदतर होंगे।

मिरज में मौजूद है, सितार को जन्म देने की परंपरा?

नजरूल हक

दक्षिण महाराष्ट्र के सांगली जिले में, कर्नाटक की सीमा के पास स्थित ऐतिहासिक नगर मिरज पहली नजर में साधारण सा प्रतीत हो सकता है। एक छोटा रेलवे जंक्शन, धूल भरे बाजार और शांत आवासीय मोहल्ले– ये सब इस नगर की गहराई और महत्व को तुरंत नहीं दर्शाते, लेकिन पिछले 150 वर्षों से अधिक समय से मिरज भारत के सांस्कृतिक नक्शे पर एक विशिष्ट स्थान रखता है– केवल शास्त्रीय संगीत के एक केंद्र के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हस्तनिर्मित परंपरा के हृदय–स्थल के रूप में, जो अब भी दुनिया के बेहतरीन तार–वाद्य यंत्रों का निर्माण करती है। जब आप उस संकरी गली में प्रवेश करते हैं जिसे पहले सितारमेकर गली के नाम से जाना जाता थाकृऔर अब इसे आधिकारिक तौर पर फरीदसाहब सितारमेकर मार्ग कहा जाता हैकृतो आप एक ऐसी दुनिया में पहुंच जाते हैं जहां लकड़ी, धातु और मानवीय स्पर्श मिलकर ऐसी ध्वनियां रचते हैं जो विश्व भर के संगीत सभागारों में गूंजती हैं। यह गली बहुत लंबी नहीं है, मुश्किल से कुछ सौ मीटर की, लेकिन इसका महत्व अत्यधिक है। यहीं पीढ़ियों से कारीगर सितार, तानपुरा, सरोद और वीणा जैसे तार–वाद्य यंत्रों को बनाते आए हैंकृऐसी तकनीकों से जो मौखिक परंपरा से चली आ रही हैं और जिन्हें अभ्यास, अंतर्ज्ञान और भक्ति से परिष्कृत किया गया है। मिरज के सितार निर्माण केंद्र में बदलने की कहानी 19वीं सदी में शुरू होती है, एक दूरदर्शी कारीगरकृफरीदसाहब सितारमेकरकृके साथ। फरीदसाहब का जन्म 1827 में हुआ था। वे शिकलगारों के समुदाय से थे। ये मुस्लिम धातु–शिल्पकारों का एक समुदाय था जो मूलतरू 17वीं सदी में बीजापुर के आदिलशाही शासन के दौरान मिरज में आकर बस गया था। ये कुशल कारीगर पारंपरिक हथियारों, जैसे–तलवारें, ढालें और कटार बनाने और मरम्मत करने में विशेषज्ञ थे। पीढ़ियों तक, उनके जीवन की लय थीरू हथौड़े की टनटनाहट और लोहे पर पड़ती चोट। लेकिन 18वीं और 19वीं सदी के आगमन के साथ गहरे परिवर्तन आए। बारूद वाले हथियारों के उदय, भारतीय रियासतों के पतन और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के सुदृढ़ होने के कारण शिकलगारों की पारंपरिक कला अप्रासंगिक हो गई। अब जब युद्धों में तलवारें और भालों की आवश्यकता नहीं रही, तो उनका कौशल भी समाप्ति की कगार पर पहुंच गया। भारत के कई कारीगर समुदायों की तरह, उन्हें भी पुनर्निर्माण या विलुप्ति के बीच चयन करना पड़ा। कई शिकलगारों ने सामान्य बढ़ईगिरी, घरेलू औजार बनाने या धातु–सज्जा का काम अपनाया, लेकिन फरीदसाहब ने, जो उस समय सांस्कृतिक रूपांतरण के दौर से गुजर रहे मिरज में रह रहे थे, एक अलग राह देखी। उसी समय मिरज पर पटवर्धन वंश का शासन था और श्रीमंत बालासाहब पटवर्धन (द्वितीय) को कला का विशेष संरक्षणकर्ता माना जाता था। उन्होंने उत्तर भारत से संगीतज्ञों को मिरज बुलवाया और बसाया, जिससे यह नगर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का एक केंद्र बन गया। कलाकारों के साथ वाद्ययंत्र भी आए और उनके साथ उनकी मरम्मत, स्वरलयन और अंततरू विशेष निर्माण की जरूरतें भी। फरीदसाहब ने तार–वाद्य यंत्रों की मरम्मत से शुरुआत की और उनके निर्माण की बारीकियों को गहराई से समझना शुरू किया। उनमें जन्मजात जिज्ञासा थी, वे टूटे–फूटे पुराने वाद्ययंत्रों को खोलकर उनके ध्वनि–विज्ञान को समझने का प्रयास करते थे। उनके वंशजों के बीच एक चर्चित किस्सा है कि फरीदसाहब कई हफ्तों तक एक सितार के पास सोते रहे, रात के अलग–अलग समय पर उसे थपथपाते रहते, ताकि आर्द्रता और तापमान का उसकी ध्वनि पर कैसा असर पड़ता है, यह जान सकें। उनकी असली खोज तब हुई जब उन्होंने पाया कि स्थानीय खेतों में उगने वाली लौकीकृजिनका उपयोग साधु जलपात्र के रूप में करते थेकृध्वनि अनुनाद (रेजोनेन्स) के लिए आदर्श होती हैं। ये लौकियां या तो स्थानीय खेतों से प्राप्त की जातीं या विशेष रूप से उगाई जातीं। इन लौकियों को धीरे–धीरे सुखाकर और संसाधित कर प्राकृ तिक अनुनाद कक्ष (रेजोनेटर) बनाया जाता था। अपने भाई मोइनुद्दीन की सहायता से फरीदसाहब ने हाथ से ही पूरी तरह सितार बनाना शुरू कियाकृलकड़ी की किस्मों, तारों के तनाव और जावरी (जो वाद्य के स्वरगुण को आकार देती है) के सूक्ष्म संतुलन पर प्रयोग करते हुए। उनकी साधारण सी कार्यशाला से जो वाद्य निकले, उनमें एक विशिष्ट ध्वनि थीकृगंभीर, समृद्ध और गहराई लिए हुए। धीरे–धीरे यह बात फैलने लगी। जैसे–जैसे मांग बढ़ी, फरीदसाहब ने अपने बेटों और शिष्यों को प्रशिक्षण देना शुरू किया। जल्द ही पूरे–के–पूरे परिवार इस कला में लग गए और श्सितारमेकर गलीश एक जीवित संग्रहालय बन गई। समय के साथ मिरज उच्च गुणवत्ता वाले तारवाद्यों के पर्याय के रूप में प्रसिद्ध हो गया। भारत और दुनिया भर के संगीतज्ञ मिरज से विशेष आदेश पर वाद्य मंगवाने लगे।20वीं सदी के मध्य तक मिरज के वाद्यों की ख्याति किंवदंती बन चुकी थी। पंडित रविशंकरकृजिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को पश्चिम में लोकप्रिय कियाकृने मिरज से सितार बनवाए। उस्ताद विलायत खान ने भी, जिनकी विलायतखानी सितार शैली आज भी वाद्य–निर्माताओं को प्रेरित करती है, मिरज के सितारों को अपनाया। वास्तव में, कुछ मिरज में बने सितारों के नाम ही रविशंकर शैली या विलायत खान शैली रखे गए हैंकृये नाम डिजाइन के स्वामित्व की बजाय उन विशिष्ट ध्वनि–गुणों को दर्शाते हैं जिन्हें ये महान संगीतज्ञ पसंद करते थे। एक बार विलायत खान के एक शिष्य ने कहा था, मिरज का सितार केवल गाता नहीं है। वह सांस भी लेता है। आज भी मिरज के कारीगर किसी स्वचालित मशीनरी का उपयोग नहीं करते। उनके औजार सरल हैं। छीनी, रेसर, हस्त–ड्रिल और लकड़ी की क्लैंप। कार्यशाला की प्रक्रिया सहयोगी होती हैरू हर कारीगर किसी एक हिस्से में विशेषज्ञ होता हैकृचाहे वह तुम्बा (लौकी) को तराशना हो, डंडी (गर्दन) बनाना हो या फ्रेट्स को स्वरलय देना हो। जो बात मिरज को विशिष्ट बनाती है, वह है इसकी कला से निकटता और आत्मीयता।

पिता : मेरी दुनिया का हीरो

पिता मेरे आन हैं, पिता मेरी शान,
चुपचाप सहें वो सारे तूफान,
पिता से ही मेरा पहचान हैं
पिता मेरी जान।
जब गिरा ज़मीन पर, उन्होंने थामा हाथ
कंधे पर चढ़ाकर आसमान दिखाया,
हर मुसीबत में रहें मेरे साथ।
मेरे सपनों को अपनी आँखों में पाला,
हर दर्द को छुपाया, हर खुशी हम पर निसार कर डाला।
आज जो भी हूँ, उन्हीं का असर है,
उनकी दुआओं से ही तो मेरा सफर है।
ना माँगा कुछ, बस दिया ही दिया,
उनकी ममता का कोई मोल नहीं है।
आज 'पितृ दिवस' पर तुम्हें नमन करूँ,
हर रोज़ तुमसे से प्रेम व सम्मान करूँ।
साया बना रहे उम्र भर तुम्हारा
तुम ही मेरी जीने का सहारा।
छ्र हे पिता! तुम बिन अधूरी ये ज़िन्दगी,
तुम्हारे चरणों में बसी मेरी बंदगी।
मेरे हृदय में बस यही अरमान,
"सदा सलामत रहे, मेरा ये पहचान।"

मनीषा पॉल 'मनस्वी'

डॉ. नीलिमा मिश्रा की डायरी– (28) जाको राखे साइयाँ मार सके ना कोय

डॉ० नीलिमा मिश्रा
मो० न० 8127713641

भारतीय लोकजीवन में कुछ कहावतें ऐसी हैं जो केवल शब्द नहीं, वरन् अनुभव, आस्था और जीवनदर्शन का सार हैं। "जाको राखे साइयाँ, मार सके ना कोय" कृ यह ऐसी ही एक कहावत है, जो हमें ईश्वर पर विश्वास रखने की प्रेरणा देती है। इसका भाव है कि जिसकी स्वयं भगवान रक्षा कर रहे हों, उसका कोई भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता, चाहे कितने ही संकट क्यों न आ जाएँ ।

यह कहावत कबीरदास जी की अमर वाणी

से निःसृत है, और उनके जीवन के अनुभवों की भाँति ही लोकमानस में गहराई से बसी है।

कबीरदास जी कहते हैं कृ
जाको राखे साइयाँ, मार सके न कोय।
बाल न बाँका करि सकै, जो जग बैरी होय।।

यह उस अदृश्य शक्ति की ओर संकेत करती है, जो कठिनतम समय में भी मनुष्य की रक्षा करती है। यह केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि विश्वास, आत्मबल और सकारात्मकता की पुष्टि है।जीवन की अनिश्चितताओं में धैर्य और आशा बनाए रखने का मंत्र।

जीवन में अनेकों ऐसे अवसर आते हैं जब मनुष्य का वश में कुछ नहीं रहता वह हताश– निराश हो जाता है तब आशा की एक ऐसी किरण दिखाई देती है जिसे लोग चमत्कार की संज्ञा देते हैं ।

कुछ ऐसा ही 12 जून को अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को देखकर कहा जा सकता है। एयर इंडिया फ्लाइट ।ए171 (बोइंग 787.8 ड्रीमलाइनर) अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के कुछ ही क्षण में रनवे से जरा ऊपर उठा और पास ही मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में जाकर गिर पड़ा। जिसमें कुल 242 लोग सवार थे। दुर्घटना में 241 लोग विमान में ही और 33 लोग ज़मीन पर जिनमें अस्पताल के रेज़िडेंट शामिल थे, मारे गए। अभी तक पता चले हुए मृतकों का आंकड़ा लगभग 274 है।

लेकिन आश्चर्य की बात यह रही कि विश्वास कुमार रमेश, 40 वर्षीय भारतीय.मूल के ब्रिटिश नागरिक, सीट 11। पर बैठे थेकृबिलकुल इमरजेंसी एग्जिट के पास, वह सीट बेल्ट खोलकर इमरजेंसी एग्जिट से छलांग लगाए और मलबे से निकलकर खुद एम्बुलेंस तक पहुंच गए । यद्यपि उन्हें चेहरे, सीने, पैरों में गंभीर चोटें आई हैं लेकिन उनकी जान को कोई ख़तरा नहीं है वह स्थिर हालत में अस्पताल में हैं ।उनकी बताई कहानी सुनकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी स्तब्ध हैं, ये लोग अस्पताल में उनसे मिलने गए और उन्हें सांत्वना दी।

इस घटना की ही तरह अनेकों घटनाएँ मुझे याद आ रही हैं, जिनका मैं इसी संदर्भ में जिक्र करना चाहूँगी। जब कई वर्ष पहले मेरे ताऊ जी के बड़े पुत्र यानी कि मेरे चचेरे भाई सुरेश, सुधा भाभी सपरिवार कानपुर से अपने दोनों बच्चों को साथ लेकर नवरात्रि की छुट्टियों का आनंद लेने बाराबंकी गृह जनपद के लिए बस से रवाना हुए। बस थोड़ी ही दूर चले थे कि बस का जाजमऊ पुल पर भयंकर एक्सीडेंट हुआ और बस में सवार सभी यात्रियों की इस दुर्घटना में मृत्यु हो गई लेकिन मेरी भतीजी रोली जिसकी उम्र मात्र छह महीना थी इस हादसे में बच गई। आज वह अपने पूरे भरे–पूरे परिवार के साथ पालघर(महाराष्ट्र) में रहती है। क्या यह ईश्वर का वरदान नहीं है?

आज का युग विज्ञान का युग है। हम तकनीक पर भरोसा करते हैं, आँकड़ों और डेटा पर विश्वास करते हैं। परंतु जब जीवन की डोर एक क्षण में टूट सकती है, और फिर भी कोई चमत्कारिक रूप से बच जाता है, तो हम उस परम शक्ति को स्वीकार करने लगते हैं जो हमारे गणित और तर्क के बाहर है।

एक और घटना का ज़िक्र करना बहुत जरूरी है बात 1988 फ़रवरी माह की है जब हमारा पूरा परिवार एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए प्रयागराज से बाराबंकी के लिए जीप में बैठकर रवाना हुआ, तो लखनऊ तक का मार्ग हँसी– खुशी के साथ बीत गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में प्रवेश करते ही अचानक हमारी जीप के आगे का पहिया पंचर हो गया, ड्राइवर ने ब्रेक लगाया और गाड़ी को पेड़ से टकरा दिया। हमारी जीप सड़क किनारे टेलीफोन लाइन बिछाने के लिए तैयार, खाई जैसे गढ्ढे में जा गिरी, बिलकुल 60 डिग्री के कोण पर।

पास ही कई चाय की दुकानें थी वहाँ पर बैठे लोग धीरे–धीरे हमारी गाड़ी की तरफ़ आए, उन्हें लगा कि कुछ बुरा हो गया है लेकिन सबसे आश्चर्य की बात यह थी कि हम सब लोग पूरी तरह से सुरक्षित थे, किसी को भी कोई खरोंच तक नहीं आई थी । जिसमें मेरी बड़ी दीदी, उनकी दो बच्चियाँ, मेरी बड़ी भाभी उनकी बेटी, मेरा छोटा भाई, मैं और ड्राइवर थे । ग्रामीणों की मदद से हम सब बाहर निकले।जीप को बाहर निकाला गया उसकी मरम्मत हुई। तब तक हम लोगों ने चाय– समोसे का आनंद लिया। हम सब जीप पर सवार हो कर बस आगे बढ़े ही थे कि, थोड़ी देर में क्या देखते हैं ओलावृष्टि और तीव्र वर्षा होने लगी हम सब लोग पूरी तरह से भीग गए लेकिन बिना किसी नुक़सान के हम सब अपने गंतव्य तक पहुँच गए।

क्या इसे केवल सौभाग्य कहा जाए? या कुछ और? वह कौन सी शक्ति है? जो धुएँ, आग, पानी और मौत के बीच से जीवन की लौ बचाकर ले लाती है। लगता है हमें जीवन दान देकर ईश्वर अपने होने का प्रमाण दे देता है। ईश्वर खुद नहीं आता, लेकिन वह कुछ ऐसा कर जाता है जिससे आप बच जाते हैं कृ यही उसका संकेत होता है।सम्पूर्ण संसार की सृष्टि ईश्वर ने ही की है, उसकी इच्छा के बिना तो पत्ता भी नहीं डोलता है। भक्त प्रहलाद को मारने का हिरण्याकश्यप ने कितना प्रयास किया लेकिन उसका बाल भी बाँका नहीं कर सका। कृष्ण भक्त मीरा को राणा ने ज़हर का प्याला पिला दिया लेकिन मीरा का कुछ भी नहीं बिगाड़ा। यह सभी प्रमाण ईश्वर के होने का संकेत देते हैं ।

एक शेर क्या खूब कहा गया है कृ

फ़ानूस बन के जिसकी हिफ़ाज़त हवा करे
वो शमा क्या बुझे, जिसे रौशन ख़ुदा करे।

कहने का अर्थ है ,जब ईश्वर साथ है तो आपका कभी अहित हो ही नही सकता।

सुशांत सिंह राजपूत की पुण्यतिथि, बहन फैंस से बोलीं, चलें भाई की विरासत को आगे बढ़ाते हैं

दिवगंत बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेतासिंह कीर्ति ने अपने प्यारे भाई सुशांत सिंह राजपूत की पुण्यतिथि में उन्हें याद करते हुए इंस्टाग्राम में एक वीडियो शेयर किया है। कीर्ति ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने बताया कि सुशांत किस सोच और भावनाओं के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि उनका भाई सिर्फ एक एक्टर नहीं, बल्कि एक सोच था – एक ऐसा इंसान जो जीवन, ज्ञान और प्यार में यकीन करता था। वीडियो में श्वेता ने सुशांत की मासूमियत, उनकी जिज्ञासा और उनके अंदर छिपे एक बच्चे जैसे स्वभाव को याद करते हुए सभी से कहा कि वह आज भी हर उस इंसान में जिंदा हैं जो इन सबको लेकर जीता है। वीडियो शेयर करते हुए श्वेता कैप्शन में लिखती हैं कि आज भाई की 5वीं पुण्यतिथि है, 14 जून 2020 को उनकी मृत्यु के बाद से बहुत कुछ हुआ है। अब सीबीआई ने अदालत को एक रिपोर्ट सौंप दी है और हम इसे पुनः प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं। लेकिन मैं आज जो कहना चाहती हूं, वह यह है कि "चाहे कुछ भी हो जाए, हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। सुशांत हमेशा अच्छाई और भगवान पर विश्वास करते थे और हमें भी उसी रास्ते पर चलना चाहिए। हमेशा याद रखो कि हमारा सुशांत किस चीज के लिए खड़ा था। उनकी मुस्कान और उनकी आँखों में वह मासूमियत थी। यही हमें खड़ा होना है। मार्मिक पोस्ट में वो आगे लिखती हैं, "भाई कहीं नहीं गए हैं, मेरा विश्वास करें। वे हम सभी में जीवित हैं। जब हम पूरे दिल से किसी से प्यार करते हैं या जीवन की मासूमियत को महसूस करते हैं, तो हम उन्हें जीवित कर रहे होते हैं। उन्होंने सुशांत की विरासत को आगे बढ़ाने की बात की और कहा कि हमें अपनी जिंदगी को इसी तरह जीना चाहिए, जैसे उन्होंने सिखाया था। श्वेता ने ये भी कहा कि सुशांत का नाम किसी भी नकारात्मकता फैलाने के लिए इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। उनका उद्देश्य कभी भी दूसरों को नुकसान पहुंचाने का नहीं था। बता दें कि 14 जून 2020 को सुशांत अपने मुंबई स्थित आवास में मृत पाए गए थे। हालांकि उनकी मौत के बारे में अभी तक कोई खास खुलासा नहीं हुआ है। सीबीआई ने इस केस में साल 2020 को एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें उन पर सुशांत को सुसाइड के लिए उकसाने और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। वहीं रिया ने भी सुशांत के परिवार पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। सीबीआई ने इन दोनों ही मामलों की जांच की और कहा कि उन्हें ऐसा कोई सबूत नहीं मिला, जिससे लगे कि सुशांत को सुसाइड के लिए उकसाया गया था।

मैंने कुछ निगल लिया...संजय कपूर ने मौत से पहले कहे थे ये शब्द, पोलो खेलते वक्त करिश्मा कपूर के एक्स पति को आया था हार्ट अटैक

कपूर खानदान के पूर्व दामाद और करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर अब इस दुनिया में नहीं रहे। 12 जून संजय कपूर ने इंग्लैंड में दम तोड़ दिया। वह पोलो खेल रहे थे जब उन्हें दिल का दौड़ा पड़ा और उनका 53 की उम्र में निधन हो गया। रिपोर्ट्स का दावा है कि मधुमक्खी निगलने के कारण उनकी मौत हुई है। इससे उनके परिवार में मातम पसरा है। एक्ट्रेस के परिवारवाले भी शॉक्ड हैं। उनके बच्चे भी पिता का साया उठने से अपने आंसू नहीं रोक पा रहे हैं। वहीं अब संजय के आखिरी शब्द क्या था, उसके बारे में जानकारी सामने आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक संजय कपूर को एनाफिलेक्टिस शॉक लगा होगा, क्योंकि उनके मुंह में मधुमक्खी ने डंक मार दिया था। एक गवाह ने दावा किया कि विंसडर में स्मिथ लॉन में खेल के दौरान बेहोश होने से ठीक पहले उनके आखिरी शब्द थे–मैंने कुछ निगल लिया है। संजय के करीबी दोस्त सुहेल सेठ ने एएनआई को बताया था, संजय की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई, जो इंग्लैंड में पोलो मैच खेल रहे थे। उन्होंने मैच के दौरान गलती से मधुमक्खी निगल ली थी। बता दें की संजय कपूर के अंतिम संस्कार में देरी का कारण लीगल फॉर्मेलिटीज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, संजय अमेरिकी नागरिक थे और उनका निधन लंदन में हुआ इसलिए उनके शव को भारत वापस लाने का प्रॉसेस और भी पेंचीदा हो गया है। उनके ससुर यानी तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव के पिता अशोक सचदेव ने अपडेट दिया है पोस्टमॉर्टम अभी चल रहा है। कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए भारत लाया जाएगा।

चंदू चौंपियन के एक साल: कबीर खान ने बताया क्यों कार्तिक आर्यन को मिलना चाहिए नेशनल अवॉर्ड

कबीर खान की बायोपिक ड्रामा चंदू चौंपियन को 14 जून 2024 को रिलीज हुए एक साल हो गया है, लेकिन फिल्म की गूंज अब भी दर्शकों, आलोचकों और इंडस्ट्री में बनी हुई है। कार्तिक आर्यन के लीड रोल वाली इस फिल्म में भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की प्रेरणादायक कहानी दिखाई गई है। फिल्म की जबरदस्त स्टोरीटेलिंग, इमोशनल मूमेंट्स और दमदार परफॉर्मेंस ने इसे हाल के सालों की सबसे यादगार फिल्मों में से एक बना दिया। चंदू चौंपियन के लिए कार्तिक आर्यन ने मुरलीकांत पेटकर के जज्बे, अनुशासन और हिम्मत को दिखाने के लिए जबरदस्त फिजिकल और इमोशनल ट्रांसफॉर्मेशन किया था। एक भूले–बिसरे नेशनल हीरो के तौर पर उनका ये सफर दर्शकों के दिलों को छू गया। फिल्म को हर जगह खूब सराहना मिली, बड़े अवॉर्ड शोज से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तक, इसे परफॉर्मेंस–ड्रिवन सिनेमा का माइलस्टोन माना गया। जैसे–जैसे चंदू चौंपियन की बरसी करीब आ रही है, डायरेक्टर कबीर खान ने फिल्म के सफर और कार्तिक आर्यन की परफॉर्मेंस को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "फिल्म को जितनी भी तारीफ मिली है, वो सब उसी की बदौलत है जो कार्तिक ने इसमें दिया दृ चाहे वो इमोशन हो, मेहनत हो या एक्टिंग की बारीकी। जहां तक नेशनल अवॉर्ड की बात है, तो मुझे दिल से लगता है कि वो इसे डिजर्व करते हैं। ये रोल उनके करियर के लिए तो बड़ा मोड़ था ही, लेकिन उससे भी ज्यादा, ये देश के लिए एक जरूरी कहानी थी। उन्होंने एक भूले–बिसरे हीरो की कहानी इतने सम्मान और लगन से लोगों तक पहुंचाई कि उसका असर साफ दिखा। और अगर अवॉर्ड्स उन्हीं को मिलने चाहिए जो देश के दिल को छू जाएं, तो कार्तिक आर्यन का नाम उस लायक जरूर है। मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल से लेकर न्यू यॉर्क इंडी फिल्म फेस्टिवल तक सम्मान बटोरने और बड़े अवॉर्ड शोज में ट्रॉफियां जीतने तक, चंदू चौंपियन ने दिखा दिया कि सिनेमा की ताकत क्या होती है कैसे एक फिल्म इंस्पायर कर सकती है, हिम्मत दे सकती है और असली जिंदगी के हीरोज को पहचान दिला सकती है। ये फिल्म कार्तिक आर्यन के करियर का एक चमकता हुआ चौप्टर बन गई है और इंडियन सिनेमा का भी। चॉकलेटी किरदारों से निकलकर ऐसे गहरे और इमोशनल रोल तक का कार्तिक का सफर दिखाता है कि वो एक आर्टिस्ट के तौर पर कितने बेखौफ तरीके से खुद को बदलते जा रहे हैं।

दंगल से भारत का राष्ट्रगान और तिरंगा हटवा रहा था पाकिस्तान... आमिर खान का 9 साल बाद खुलासा

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान इस वक्त सितारे जमीन पर के प्रमोशन में बिजी हैं। इस फिल्म से आमिर एक्टिंग में तीन साल बाद वापसी कर रहे हैं। आमिर की पिछली हिट दंगल थी, जो साल 2016 में आई थी। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म ने कमाई के कई रिकॉर्ड बनाए थे जिनमें से कुछ तो अभी तक नहीं टूटे हैं। इस फिल्म को चीन में भी रिलीज किया गया था। दुनियाभर ने इसकी तारीफ की लेकिन इसे कभी पाकिस्तान में रिलीज नहीं किया गया जिसकी वजह अब एक्टर ने बताई है। आमिर खान ने हाल ही आप की अदालत में दंगल के पाकिस्तान में रिलीज ना करने का कारण बताया। आमिर ने खुलासा किया– जब दंगल लगी थी तो डिज्नी फिल्म के एक प्रोड्यूसर्स में से एक था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सेंसर बोर्ड से हमको रिएक्शन आया है। उन्होंने कहा है– फिल्म के आखिर में गीता फोगाट जब जीतती है तो उसके बाद हमारा तिरंगा ऊपर जाता है और हमारा राष्ट्रगान बजता है...तो उन्होंने कहा कि आप ये दो चीजें– हिंदुस्तान का तिरंगा और राष्ट्रगान निकाल दीजिए, वरना हम ये फिल्म पास नहीं करेंगे। आमिर ने आगे कहा, मैंने एक सेकेंड में डिज्नी वालों को बोला कि हमारी फिल्म भी पाकिस्तान में रिलीज नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हमें बहुत नुकसान होगा। बिजनेस पर फर्क पड़ेगा। मैंने कहा कि जो हमसे ये कहेगा कि राष्टीय ध्वज निकाल दो और जो कहेगा कि हमारा राष्ट्रगान निकाल दो, उनमें मुझे कोई दिलचस्पी ही नहीं है। वो धंधा मुझे चाहिए ही नहीं। फिल्म सितारे जमीन की बात करें तो यह साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'तारे जमीन पर' का दूसरा पार्ट है। ब्रिटिश सेंसर बोर्ड ने फिल्म को 12। सर्टिफिकेट दे दिया है जिसका मतलब है कि यह 12 साल से अधिक उम्र के दर्शकों के लिए उपयुक्त है, जबकि छोटे बच्चे भी इसे देख सकते हैं, बशर्ते उनके साथ कोई वयस्क हो। फिल्मी व्यू की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 35 मिनट है। फिल्म में आमिर खान के साथ एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा नजर आने वाली है। इसे आर.एस प्रसन्ना ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में 10 दिव्यांग बच्चों की कहानी को दिखाया जाएगा।

आमिर खान ने हाल ही आप की अदालत में दंगल के पाकिस्तान में रिलीज ना करने का कारण बताया। आमिर ने खुलासा किया– जब दंगल लगी थी तो डिज्नी फिल्म के एक प्रोड्यूसर्स में से एक था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सेंसर बोर्ड से हमको रिएक्शन आया है।

अहमदाबाद विमान हादसे के कारण हिना खान ने कैंसिल की वेडिंग पार्टी, हाथ जोड़कर मांगी माफी

पॉपुलर एक्ट्रेस हिना खान ने हाल ही बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ शादी की। शादी के बाद हिना मुंबई में शानदार वेडिंग पार्टी ऑर्गनाइज करने वाली थीं लेकिन अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान के भयानक हादसे के कारण उन्होंने पार्टी कैंसिल कर दी है। इसके लिए हिना खान ने पपाराजी और लोगों से हाथ जोड़कर माफी भी मांगी। हिना खान का वीडियो सामने आया है जो लाफ्टर शेफ्स 2 के सेट का है। वीडियो में हिना खान पपाराजी से हाथ जोड़कर कह रही हैं–मैंने आप सबको आने के लिए बोला था। हमने सोचा था कि हम छोटा सा एक सेलिब्रेशन करेंगे, लेकिन जो भी हुआ है कल, वो बहुत ही ज्यादा दुखद है। बहुत ही ट्रैजिक है। मुझे नहीं लगता है कि हमें कोई भी सेलिब्रेशन करना चाहिए। तो हमने पोस्टपोन कर दिया है अभी। हम अगली बार सेलिब्रेट करेंगे। सॉरी। मालूम हो कि 12 जून को लंदन के लिए उड़ाने भरने वाला एयर इंडिया का बोइंग विमान क्रैश हो गया था, जिसमें मरने वालों की संख्या 275 जा पहुंची है। जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के ऊपर विमान गिरा, उसका मलबा हटाया जा रहा है।

सेहत ही नहीं त्वचा को भी नुकसान पहुंचाता है नमक, इससे होता है स्किन एलर्जी का खतरा

एक नए शोध में पता चला है कि सोडियम युक्त नमक के अधिक मात्रा में सेवन से एक्जिमा का खतरा बढ़ सकता है, जिसमें त्वचा रूखी हो जाती है और उस पर चकत्ते पड़ जाते हैं, जिनमें खुजली होती है। पिछले शोधों में पाया गया है कि त्वचा में सोडियम अधिक मात्रा में होने से एक्जिमा समेत लंबे समय तक जलन और ऑटोइम्यून समस्याएं हो सकती हैं।

फास्ट फूड से भी है खतरा

इन शोध में यह भी पता चला है कि सोडियम की अत्यधिक मात्रा वाले फास्ट फूड के सेवन से भी किशोरों में एक्जिमा होने का खतरा बढ़ जाता है, जो बहुत गंभीर भी हो सकता है। नए शोध में पता चला है दैनिक अनुशंसित सीमा से एक ग्राम अधिक सोडियम खाने से भी एक्जिमा का खतरा 22 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। एक ग्राम सोडियम लगभग आधा चम्मच नमक या अंतरराष्ट्रीय फास्ट फूड चेन मैकडोनाल्ड के हैमबर्गर बिग मैक में मौजूद मात्रा के बराबर होता है।

एक दिन में कितना खाना चाहिए नमक?

विश्व स्वास्थ्य संगठन एक दिन में दो ग्राम से कम सोडियम सेवन की सिफारिश करता है जबकि ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के अनुसार, अनुशंसित सोडियम सेवन प्रतिदिन 2.3 ग्राम है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसीएफसी) के शोधकर्ताओं ने कहा कि हाल के वर्षों में, विशेष रूप से औद्योगिक देशों में, यह दीर्घकालिक त्वचा रोग आम हो गया है, जिसका अर्थ है कि इसमें पर्यावरण और जीवनशैली संबंधी कारकों (जैसे आहार) की भूमिका है। उन्होंने कहा कि सोडियम का सीमित सेवन एक्जिमा रोगियों के लिए बीमारी को नियंत्रित करने का एक आसान तरीका हो सकता है।

रोगियों को नहीं है पर्याप्त जानकारी

ये शोध द जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जेएएमए) डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। यूसीएसएफ में त्वचा विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर और शोध के लेखकों में से एक कैटरीना अबुबारा ने कहा–रोगियों के लिए एक्जिमा के प्रकोप से निपटना कठिन हो सकता है, खासकर तब जब वे इसका पूर्वानुमान नहीं लगा पाते और उनके पास इससे बचने के लिए कोई सुझाव नहीं होता। शोध के लिए टीम ने यूके बायोबैंक से 30–70 वर्ष की आयु के दो लाख से अधिक लोगों के डेटा का उपयोग किया, जिसमें मूत्र के नमूने और इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड शामिल थे।

जिद्दी से जिद्दी पेट की चर्बी होगी दूर, इस तरह से पिएं लहसुन का पानी

आज के समय में फिट और हेल्थी रहना जरुरी है। भागदौड़ भारी लाइफस्टाइल के चलते गलत खानपान की वजह से पेट की चर्बी बढ़ने लगती है। पेट की चर्बी की वजह से कई बार आत्मविश्वास कम हो जाता है, वहीं खूबसूरती में भी रुकावाट बनती है। एक बार पेट चर्बी बढ़ जाए तो आसानी से नहीं खत्म होती। जिस वजह से कई बार हम सभी स्ट्रैस में आ जाते हैं, तो चिंता छोड़िए आज से ही लहसुन का पानी पीना शुरु कर दें, सेहत के साथ–साथ पेट की चर्बी भी होगी दूर।

लहसुन के पानी के फायदे

आयुर्वेद में लहसुन को सबसे बेहतरीन औषधि मानी जाती है। सेहत के लिए लहसुन का पानी पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे मोटापे की समस्या भी दूर होती है। लहसुन में एंटीबैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक, मैंगनीज, विटामिल बी6, विटामिन सी, सेलेनियम, फाइबर, कैल्शियम, कॉपर, पोटेशियम, आयरन आदि होता है, जो वजन घटाने में मदद करता है।

सेहत को मिलते हैं लाभ

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, लहसुन का पानी सुबह के समय पीने से कई चमत्कारिक फायदे मिलते हैं। इसके ने सेवन मात्र से ही कई कमाल दिखने लगते हैं। अगर आपको अपना वजन कम करना है तो लहसुन का पानी बहुत ही फायदेमंद साबित हो सकता है। खाली पेट लहसुन का पानी पीने से पेट की चर्बी को भी कम करने में मदद मिलती है।

इस तरह से पिएं लहसुन का पानी

दरअसल, लहसुन के फायदे ज्यादातर सभी जानते हैं, हालांकि कई लोग इसके सेवन का सही तरीका नहीं जानते हैं। पेट की चर्बी कम करने के लिए लहसुन को गर्म पानी में डालकर पीना चाहिए।

ओवरईटिंग से बचाव

अगर आप लहसुन का पानी पीते हैं, तो आपका पेट लंबे समय तक भरा रहेगा और आप खुद को ओवरईटिंग से बचा पाएंगे। जब आप अनहेल्दी चीजों को कम खाएंगे तो वजन अपने आप आसानी से कम हो जाएगा। वहीं, बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए लहसुन की ड्रिंक का सेवन करना सबसे बढ़िया है। लहसुन का पानी पीने से शरीर की सारी गंदगी बाहर निकल जाती है।

इसका ज्यादा सेवन न करें

गर्मी के दौरान याद रखें कि लहसुन का ज्यादा सेवन करने से बचना चाहिए। अगर आप ऐसा करेंगे तो स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपको पेट में गैस बनती हैं, तो उन्हें लहसुन कम खाना चाहिए।

जीभी हिल स्टेशन की हसीन वादियों में 3 दिन के लिए बनाएं घूमने का प्लान, एक्सप्लोर करें शानदार जगहें

घूमना–फिरना आखिर किसे पसंद नहीं होता है। इसलिए जब भी लोगों को ऑफिस या काम से छुट्टी मिलती है, तो घूमने के शौकीन लोग ट्रिप प्लान करके घूमने निकल जाते हैं। जब भी किसी हसीन जगह पर घूमने की बात होती है, तो कई लोग हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में घूमने का प्लान बनाते हैं। आपको बता दें कि हिमाचल की हसीन वादियों में कई ऐसी खूबसूरत और मनमोहक जगहें मौजूद हैं, जहां पर गर्मी के मौसम में घूमने का अपना ही मजा होता है। हालांकि घूमने जाने से पहले अगर आपको उस जगह के बारे में पूरी जानकारी होती है, तो ट्रिप के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप दिल्ली से 3 जीभी घूमने का प्लान बना सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जीभी घूमने के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं, जैसे आप कहां रुक सकते हैं, जीभी कैसे जाएं और यहां पर किन–किन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ऐसे जाएं जीभी

दिल्ली से जीभी की हसीन वादियों में पहुंचना बहुत आसान है। दिल्ली से जीभी तक आप हवाई मार्ग, ट्रेन, बस या पर्सनल गाड़ी से भी जा सकते हैं।

हवाई मार्ग

जीभी का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा कुल्लू है। आप दिल्ली से पहले कुल्लू हवाई अड्डा जाएं। फिर लोकल टैक्सी या कैब लेकर जीभी की हसीन वादियों में पहुंच सकते हैं। कुल्लू हवाई अड्डे से जीभी की दूरी 60 किमी है।

ट्रेन मार्ग

जीभी का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन शिमला है। दिल्ली से बस पकड़कर कालका जाएं, फिर कालका से ट्रेन के जरिए शिमला पहुंचे। शिमला रेलवे स्टेशन से लोकल टैक्सी या कैब के जरिए आप जीभी पहुंच सकते हैं। शिमला से जीभी की दूरी 150 किमी है।

सड़क मार्ग

दिल्ली में स्थित कश्मीरी गेट से जीभी के लिए बसें चलती हैं। दिल्ली से शिमला के लिए बस पकड़ लें। फिर शिमला बस स्टैंड से लोकल बस लेकर जीभी की हसीन वादियों में पहुंच सकती हैं। बता दें कि दिल्ली में मजनू का टीला से भी जीभी के लिए बस चलती है।

कहां रुकें

जीभी हिमाचल का एक बेहद खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। यहां पर अक्सर पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। यहां पर आपको रुकने के लिए होटल, रिसॉर्ट, विला और कॉटेज आजि आसानी से मिल जाएंगे।

अगर आप सस्ते में स्टे करना चाहते हैं, तो वाइल्डवुड होम, शाइनिंग स्टार होमस्टे, ट्री हब, मैडपैकर्स होटल और जंगल वैली जैसे होटल में रुक सकते हैं। इसके अलावा आप इकोर रिवरसाइड रिसॉर्ट्स, कैवल्य– लक्ज़री रिट्रेट या मंदुक्य विलास में रूम बुक कर सकते हैं।

इन जगहों को करें एक्सप्लोर

जीभी वॉटरफॉल

जीभी में स्थित जीभी वॉटरफॉल सबसे ज्यादा फेमस और लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यह वॉटरफॉल घने जंगलों के बीच में स्थित है और बेहद अद्भुद दृश्य प्रस्तुत करता है। बहुत सारे लोग गर्मी के मौसम में यहां पर वॉटरफॉल के नीचे नहाने के लिए पहुंचते हैं। वहीं बारिश के दिनों में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती चरम पर होती है।

जालोरी दर्रा

जालोरी दर्रा जीभी से करीब 12 किमी की दूरी पर स्थित है। यह एक विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। यहां पर हर रोज हजारों देशी और विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है।

चन्नी फोर्ट

इसके अलावा आपको जीभी से कुछ दूरी पर स्थित चन्नी फोर्ट को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इस फोर्ट को लकड़ी के इस्तेमाल से बनाया जाता है। बताया जाता है कि यह फोर्ट 1500 साल पुराना है और इस फोर्ट के नीचे एक भूमिगत सुरंग भी है।

गर्मियों में ऐसे रखें अपनी सेहत का ख्याल, वरना बढ़ सकती है बीपी और ब्लड शुगर की समस्या

मई–जून के महीने में गर्मी अपने पूरे चरम पर है, हर रोज गर्मी का सितम बढ़ता जा रहा है। चिलचिलाती धूप और लू ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। इतनी भीषण गर्मी में लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। मौसम विभाग की मानें, तो गर्मी के तेवर अभी तीखे ही रहने वाले हैं। इसलिए इस मौसम में अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत है। खासकर गर्मी में हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के मरीजों को अपनी सेहत के प्रति अधिक सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि जरा सी लापरवाही से गर्मी के मौसम में ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है। वहीं शरीर में पानी की कमी होने पर ब्लड शुगर पर तेजी से असर पड़ सकता है। गर्मी के मौसम में ब्लड प्रेशर और बढ़ने खतरा बना रहता है। ऐसे में जरूरी है कि आप शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन न बिगड़ने दें। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे है कि गर्मियों में हाई बीपी और शुगर के मरीजों को किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें खास ध्यान

हर रोज अपने ब्लड शुगर लेवल की जांच कराएं, जिससे कि शुगर लेवल को कंट्रोल किया जा सके।

गर्मी से बचने के लिए रोजाना नींबू पानी का सेवन करना चाहिए। इससे बीपी और ब्लड शुगर लेवल दोनों कंट्रोल में रहते हैं। आप चाहें तो नींबू पानी में चीनी और नमक मिला सकते हैं।

सिर्फ गर्मी ही नहीं बल्कि किसी भी मौसम में हेल्दी रहने के लिए मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करते रहें। इससे हमें नेचुरल रूप से पानी मिलता रहता है और शरीर हाइड्रेट रहता है।

गर्मियों में टमाटर का सेवन फायदेमंद होता है। लेकिन किडनी की बीमारी वाले व्यक्तियों को टमाटर का सेवन नहीं करना चाहिए।

कई बार अधिक गर्मी की वजह से कमजोरी महसूस होने लगती है। तो ऐसे में आप सत्तू का सेवन कर सकते हैं। आप चाहें तो इसको बिना नमक या चीनी के पी सकते हैं।

गर्मियों में खुद को लू से बचाना बहुत जरूरी होता है। इसलिए लू से बचने के लिए जरूरी काम होने पर ही घर से निकले, लगातार पानी पीते रहें और खुद को ढककर बाहर निकलें।

अगर आपको या आपके किसी जानने वाले को लू लग गई है, तो बिना देर किए डॉक्टर की सलाह लें। क्योंकि जरा सी लापरवाही से समस्या बढ़ सकती है।

पाचन तंत्र से लेकर आंखों की रौशनी तक को बढ़ाता है कटहल, जानें इसके फायदे

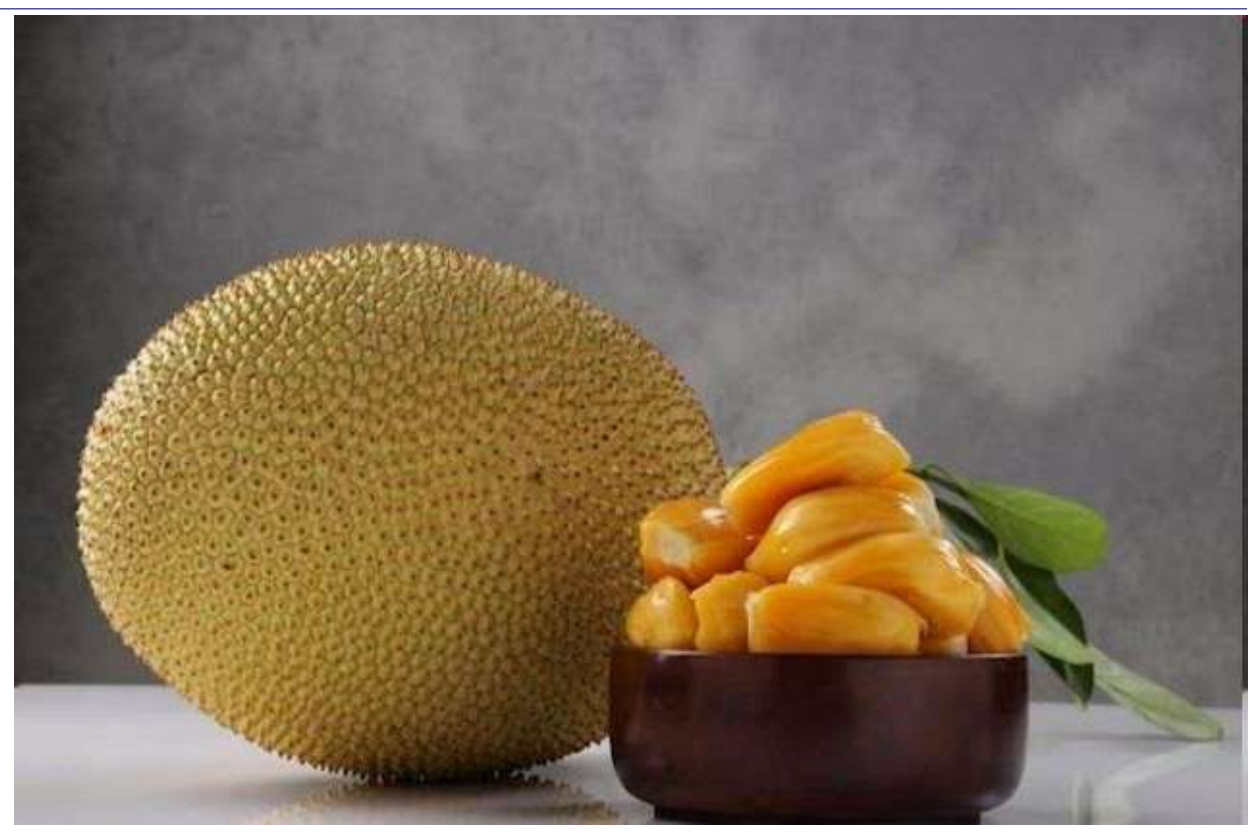

कटहल एक पौष्टिक गुणों से भरपूर सब्जी है। ये स्वादिष्ट होने के साथ–साथ हमारी सेहत को हेल्दी बनाने में भी मदद करती है। इसमें विटामिन बी जैसे की राइबोफ्लेविन, थियामिन के साथ ही मैग्नीशियम, पोटेशियम, कॉपर, मैंगनीज और फाइबर भी मौजूद होते हैं। हमारे शरीर के अलग–अलग फंक्शन्स के लिए ये सारे पोषक तत्व बेहद जरूरी होते हैं। ऐसे में हम आपको आज इसके फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे जान कर आप इसका सेवन आज से ही शुरू कर देंगे। तो आइए अब जानते हैं –

एनीमिया की बीमारी से रहेंगे दूर

खराब लाइफस्टाइल और गलत खान–पान की वजह से एनीमिया की बीमारी से कई लोग जूझ रहे होते हैं। ऐसे में कटहल को अपनी डाइट में शामिल करें। इसमें मौजूद विटामिंस, मिनरल्स कॉपर, मैग्नीज, मैंग्नीशियम, विटामिन ए, सी, ई होते हैं जो शरीर में खून बनाने का काम भी करती है। आयरन की कमी की वजह से ज्यादातर औरतें एनीमिया का शिकार हो जाती है. कटहल खाने से एनीमिया की परेशानी दूर हो जाएगी।

पाचन तंत्र रहता है स्ट्रांग

कटहल में अच्छी– खासी मात्रा में फाइबर मौजूद होता है। इसके सेवन से आंतों में गुड़ बैक्टीरिया की मात्रा बढ़ती है। ये बैक्टीरिया डाइजेस्टिव सिस्टम को स्ट्रांग और हेल्दी रखने का काम करता है और इम्यूनिटी को भी बूस्ट करता है। पाचन तंत्र के सही काम करने से शरीर से कई सारी बीमारियां दूर रहती हैं।

ब्लड शुगर लेवल रहता है कंट्रोल में

कटहल में फाइबर भरपूर मात्रा में मौजूद होता है, इससे पेट काफीव देर तक भरा हुआ रहता है और बल्ड शुगर लेवल भी कंट्रोल भी रहता है। इसके साथ ही इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए एक हेल्दी ऑप्शन है।

हार्ट रहता है हेल्दी

इसमें मौजूद फाइबर, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट दिल को हेल्दी रखते हैं और दिल से जुड़ी समस्याओं को भी काफी हद तक कम कर देते है।

आंखों को रखता है हेल्दी

कटहल में मौजूद बीटा कैरोटीन आंखों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद है। यह कॉर्निया की फंक्शनिंग में काफी मदद करता है।

स्किन भी बनती है ग्लोइंग

इसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटीएजिंग के साथ ही विटामिन सी की भी भरपूर मात्रा मौजूद होती है। ये दोनों पोषक तत्व त्वचा को हेल्दी रखने के लिए जरूरी होते हैं। साथ ही इसके सेवन से बढ़ती उम्र के असर को भी कम करती है।

संक्षिप्त

पहली बार पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे नीरज चोपड़ा, नया रिकॉर्ड बनाने पर नजर

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरच चोपड़ा 20 जून को होने वाले पेरिस डायमंड लीग में खेलने उतरेंगे। नीरज आठ साल बाद इस टूर्नामेंट के पेरिस चरण में हिस्सा लेंगे। नीरज लगातार दो टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रहे हैं और उनकी नजरें अब इस प्रतियोगिता में टॉप पर रहने की होगी। नीरज ने पिछले साल ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के कारण इसमें हिस्सा नहीं लिया था। नीरज ने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चौंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने अभी प्रतियोगियों की पूरी सूची प्रकाशित नहीं की है लेकिन उन्होंने घोषणा की है कि नीरज और दो बार के विश्व चौंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उन पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में नरीज के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। वहीं नीरज ने 2025 सत्र की शुरुआत साउथ अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में एक आमंत्रण प्रतियोगिता में खिताब के साथ की। ये एफ श्रेणी की मामूली प्रतियोगिता थी जिसमें उन्होंने 84.52 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने 16 मई को दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ 90 मीटर के जादुई निशान को पार किया लेकिन वह दूसरे स्थान पर रहे। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर के साथ टॉप स्थान हासिल किया था।

भारतीय फुटबश्वल में विवाद जारी

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (।ष्थ्) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को बाईचुंग भूटिया पर अपने निहित स्वार्थ के लिए व्यावसायिक अकादमियां चलाने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय टीम के पूर्व कप्तान ने हालांकि इन आरोपों को निराधार बताया है। चौबे का ये आरोप हाल ही में एएफसी एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के मैच में हांगकांग से भारत की चौंकाने वाली हार के बाद भूटिया द्वारा एआईएफएफ प्रमुख के पद से इस्तीफा मांगने के जवाब में था। भूटिया ने कहा था कि चौबे ने भारतीय फुटबॉल को नष्ट कर दिया है। चौबे से जब भूटिया की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अपने नाम से एक व्यावसायिक फुटबॉल स्कूल चलाते हैं। वह 20 अलग अलग शहरों में हैं। इस फुटबॉल स्कूल में खिलाड़ी 1000 से एक लाख रुपये तक का भुगतान करते हैं। उनसे एक हजार से 10000 रुपये तक महीना लिया जाता है। चौबे बाईचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल का जिक्र कर रहे थे जिसकी देश भर में कई अकादमियां हैं। एआईएफएफ अध्यक्ष ने कहा कि ये पूरी तरह से निहित स्वार्थ है पूरी तरह से व्यावसायिक है। वे परिवारों की भावनाओं, लोगों की भावनाओं के साथ खेलकर अनुचित लाभ उठा रहे हैं। लोग सोचते हैं कि उस व्यक्ति ने भारतीय फुटबॉल के उच्चतम स्तर पर पहुंच बनाई है और अगर मैं उनकी अकादमी का हिस्सा बन सकता हूं तो मैं भी एक फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में अपना जीवन बना सकता हूं। वहीं भूटिया ने चौबे के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि चौबे को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अकादमी कैसे चलाई जाती है। उन्होंने कहा है कि उन्होंने अपने फुटबॉल स्कूल अपनी मेहनत की कमाई से खोले हैं। भूटिया ने सिक्किम से पीटीआई से कहा कि, चौबे ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास जानकारी का आभाव है। वह बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उन्हें फुटबॉल अकादमी के बारे में कुछ भी नहीं पता। मैंने 14 साल पहले अपनी मेहनत की कमाई से फुटबॉल स्कूल खोले हैं। राज्यों, केंद्र और कॉरपोरेट्स से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली। साथ ही उन्होंने कहा कि, पिछले दो सालों में बच्चों की मदद के लिए केवल कुछ ही प्रायोजक आए हैं। देश भर में मेरे स्कूलों में हर दिन 6000 से ज्यादा बच्चे खेलते हैं। एआईएफएफ भी ऐसा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि, वह फीस की बात कर रहे हैं लेकिन मेरे स्कूलों में 150 योग्य कोच और उनके द्वारा इस्तमेला किए जा रहे मैदानों का खर्च कौन उठाएगा, कोई भी मुझे वित्तीय रूप से मदद नहीं कर रहा है। अकादमी चलाने के लिए मुझे फीस तो लेनी ही होगी। लेकिन मुझे नहीं पता कि वह कहां से 10000 रुपये प्रति बच्चा प्रति माह की फीस की बात कर रहे हैं हम इतना शुल्क नहीं लेते हैं।

सुरुचि ने लगातार तीसरा गोल्ड मेडल जीता, पूरी की मेडलों की हैट्रिक

म्यूनिक में जारी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में जीत के साथ लगातार तीसरा गोल्ड मेडल जीता है। अपने तीसरे वर्ल्ड कप में भाग ले रही इस 19 वर्षीय निशानेबाज ने व्यक्तिगत गोल्ड मेडलों की हैट्रिक पूरी की और कुल मिलाकर चौथा मेडल जीता। उन्होंने इससे पहले अप्रैल में ब्यूनस आयर्स और लीमा विश्व कप में गोल्ड जीते थे। सुरुचि ने फाइनल में 241.9 अंक के साथ गोल्ड मेडल जीता। चीन की कांस्य मेडल विजेता कियानक्सुन याओ को पछाड़ने के तुरंत बाद सुरुचि ने 10.5 अंक के साथ बढ़त हासिल की जबकि फ्रांस की सिल्वर विजेता कैमिली जेड्रेजेवस्की सिर्फ 9.5 अंक का ही निशाना साध पायी। अंतिम प्रयास में 9.5 स्कोर भारतीय खिलाड़ी के लिए शीर्ष पुरस्कार हासिल करने के लिए पर्याप्त था क्योंकि जेड्रेजेवस्की ने 9.8 का ही स्कोर किया था। सुरुचि इससे पहले क्वालीफिकेशन में 588 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि दो बार की ओलंपिक मेडल विजेता मनु भाकर 574 अंक के साथ 25वें नंबर पर रहीं। फाइनल मुकाबले के दौरान कमेंट्री कर रहीं भाकर ने अपनी हमवतन के गोल्ड मेडल जीतने पर खुशी जाहिर की है। सुरुचि का जन्म हरियाणा के झज्जर जिले के सासरोली गांव में एक ऐसे परिवार में हुआ जहां खेल जगत से गहरा नाता था। सुरुचि के पिचा हवलदार इंदर सिंह शुरू में चाहते ते कि सुरुचि कुश्ती में आगे बढ़े क्योंकि उन्हें अपने चचेरे भाई वीरेंद्र सिंह से प्रेरणा मिली थी।

द. अफ्रीका के नाम आईसीसी टूर्नामेंट में दो खिताबों के बीच सबसे लंबा अंतराल

टीम	अंतराल	खिताब
दक्षिण अफ्रीका	27 साल	1998 चैंपियंस ट्रॉफी - WTC 2025
वेस्टइंडीज	25 साल	वनडे विश्व कप 1979 - चैंपियंस ट्रॉफी 2004
न्यूज़ीलैंड	21 साल	चैंपियंस ट्रॉफी 2000 - WTC 2021
भारत	19 साल	वनडे विश्व कप 1983 - चैंपियंस ट्रॉफी 2002
पाकिस्तान	17 साल	वनडे विश्व कप 1992 - टी20 विश्व कप 2009
श्रीलंका	12 साल	चैंपियंस ट्रॉफी 2002 - टी20 विश्व कप 2014
ऑस्ट्रेलिया	12 साल	वनडे विश्व कप 1987 - वनडे विश्व कप 1999
इंग्लैंड	9 साल	टी20 विश्व कप 2010 - वनडे विश्व कप 2019

लंदन। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 27 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म किया है। हालांकि, टीम तीनों प्रारूपों को मिलाकर पहली बार किसी एक में चौंपियन बनी है। मार्करम और बावुमा ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2023–25 का खिताब जीत लिया है। फाइनल में उसने गत विजेता ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से शिकस्त दी। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप को तीनों संस्करण में एक नया चौंपियन मिला है। 2021 में पहले संस्करण में न्यूजीलैंड की टीम चौंपियन बनी थी, जबकि 2023 में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने खिताब जीता था। अब दक्षिण अफ्रीका की टीम चौंपियन बनी है। यह दक्षिण अफ्रीकी टीम का दूसरा आईसीसी खिताब है। इससे पहले 1998 में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी (तब इसे नॉकआउट ट्रॉफी कहा जाता था) का खिताब जीता था। इस टीम ने 27 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म किया है। हालांकि, टीम तीनों प्रारूपों को मिलाकर पहली बार किसी एक में चौंपियन बनी है। दो आईसीसी ट्रॉफी के बीच 27 साल का अंतराल किसी भी टीम का दो आईसीसी खिताब के बीच सबसे लंबा अंतराल है। इस मामले में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज का रिकॉर्ड तोड़ा। वेस्टइंडीज ने 2004 में चौंपियंस ट्रॉफी जीतकर 25 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म किया था। 1979 वनडे विश्व कप के बाद 2004 चौंपियंस ट्रॉफी वेस्टइंडीज की पहली आईसीसी ट्रॉफी थी। वहीं, इस लिस्ट में न्यूजीलैंड की टीम दूसरे और भारत तीसरे नंबर पर है। कीवियों ने साल 2000 में चौंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद साल 2021 में विश्व टेस्ट चौंपियनशिप जीतकर 21 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त किया था। वहीं, भारत ने 1983 वनडे विश्व कप जीतने के 19 साल बाद साल 2002 में चौंपियंस ट्रॉफी अपने नाम किया था। हालांकि, तब टीम श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता रही थी। आईसीसी टूर्नामेंट में दो खिताबों के बीच सबसे लंबा अंतराल टीम अंतराल खिताब दक्षिण अफ्रीक 27 साल 1998 चौंपियंस ट्रॉफी —ॅज 2025 वेस्टइंडीज 25 साल वनडे विश्व कप 1979 — चौंपियंस ट्रॉफी 2004 न्यूजीलैंड 21 साल चौंपियंस ट्रॉफी 2000 —ॅज 2021 भारत 19 साल वनडे विश्व कप 1983 — चौंपियंस ट्रॉफी 2002 पाकिस्तान 17 साल वनडे विश्व कप 1992 — टी20 विश्व कप 2009 श्रीलंका 12 साल चौंपियंस ट्रॉफी 2002।

ऐतिहासिक जीत के बाद आया टेम्बा बावुमा का पहला रिएक्शन, किसे दिया जीत का श्रेय?

27 साल बाद साउथ अफ्रीका ने आईसीसी ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचा है। टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली इस टीम ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है।

साउथ अफ्रीका ने 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचा है। टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली इस टीम ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस टीम ने उम्मीद इसलिए नहीं थी क्योंकि ये टीम बड़े मौकों पर कई बार चोकर्स साबित हुई और फिर इसका सामना आईसीसी फाइनल जीतने के लिए मशहूर ऑस्ट्रेलिया से था। लेकिन इतिहास बदल गया और ये हुआ बावुमा की कप्तानी में। अपनी कप्तानी में साउथ अफ्रीका को 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी दिलाने वाले बावुमा इस ऐतिहासिक जीत पर बेहद खुश हैं। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 1998 में आईसीसी नॉक आउट ट्रॉफी जीती थी जो अब चौंपियंस ट्रॉफी के नाम से जानी जाती है। इसके बाद अब साउथ अफ्रीका के हिस्से खिताब आया है। इस मैच में बावुमा ने बताया कि वह इरादे के कितने पक्के हैं। तीसरे दिन मांसपेशियों में खिंचाव आने के बाद भी उन्होंने बैटिंग की और टीम की जीत की नींव रखी। बावुमा ने 66 रनों की पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका का टेस्ट में तीसरा सबसे सफल रन चेज, फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को दी मातय मार्करम चमके

लंदन। ऑस्ट्रेलिया ने 282 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे दक्षिण अफ्रीका ने हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका का टेस्ट में यह तीसरा बड़ा सफल रन चेज है। दक्षिण अफ्रीका ने एडेन मार्करम की शतकीय पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का खिताब अपने नाम कर लिया है। गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 282 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 285 रन बनाकर जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका का टेस्ट में यह तीसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है। दक्षिण अफ्रीका की टीम इसके साथ ही पहली बार डब्ल्यूटीसी की विजेता बनी है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम खिताब का बचाव नहीं कर सकी है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बावजूद चौंपियन बनने से चूक गई। दक्षिण अफ्रीका ने 27 साल का सूखा समाप्त किया दक्षिण अफ्रीका ने 27 साल के अंतराल के बाद कोई आईसीसी खिताब अपने नाम किया है। टीम ने आखिरी बार 1998 में नॉकआउट ट्रॉफी (अब चौंपियंस) का खिताब अपने नाम किया था। तेम्बा बावुमा की अगुआई वाली टीम ने इस खिताबी सूखे को समाप्त किया और लॉर्ड्स मैदान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका की इस जीत में कप्तान बावुमा और एडेन मार्करम का योगदान काफी अहम रहा। इन दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 147 रनों की साझेदारी की और टीम की जीत की नींव रखी। लॉर्ड्स में पांचवीं बार चेज हुआ 200 रनों का लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका का टेस्ट में सबसे सफल रन चेज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आया था।

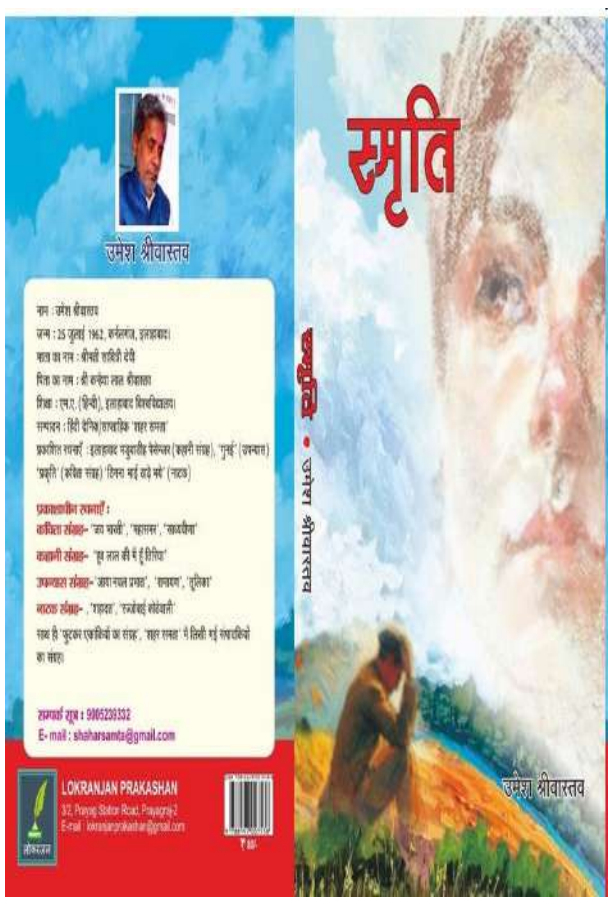

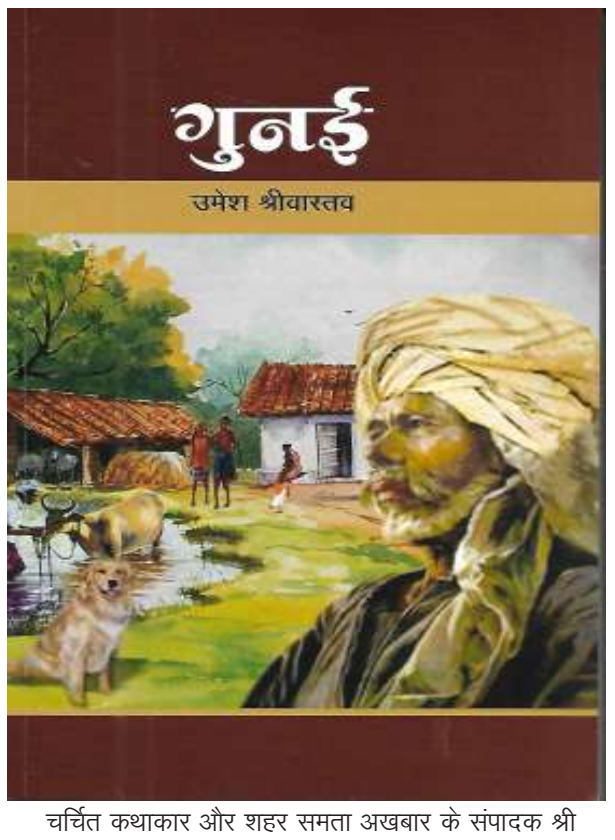

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

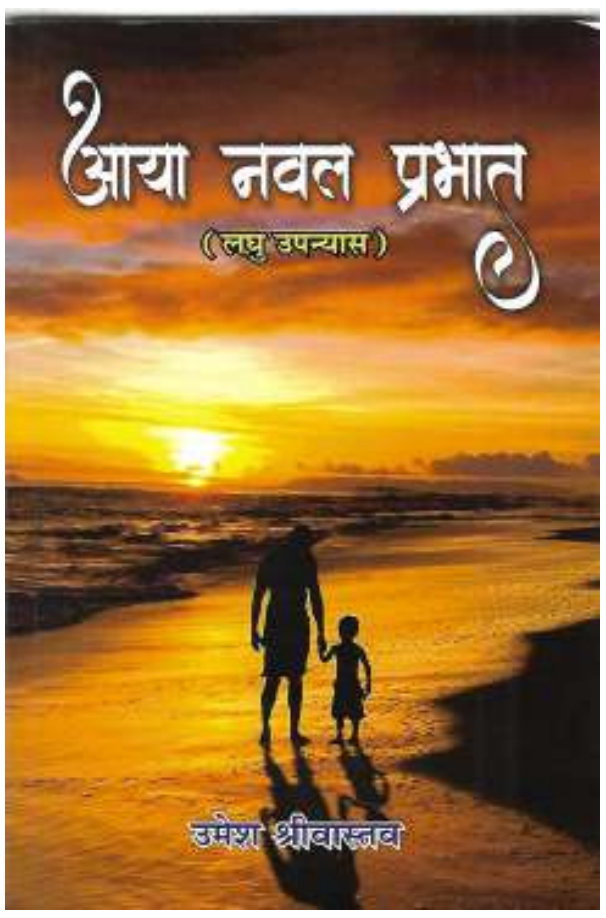

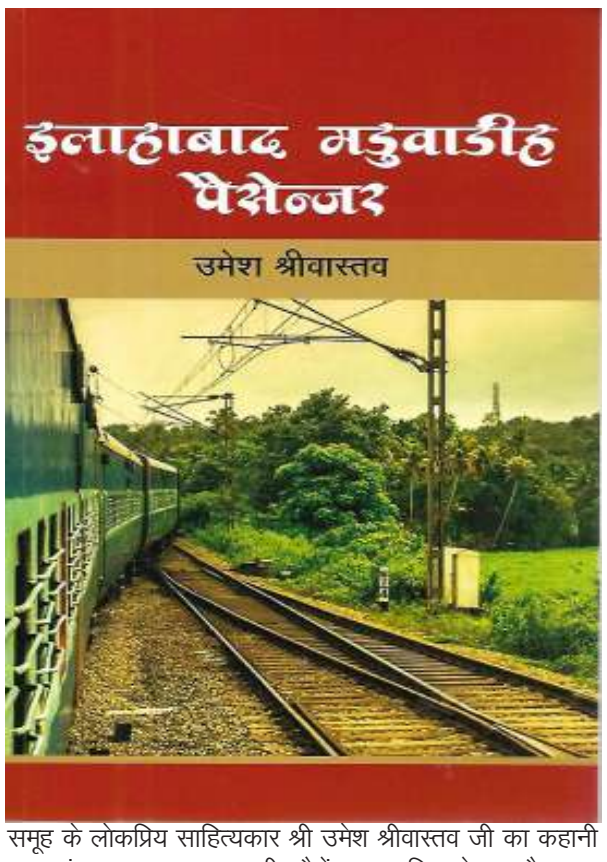

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

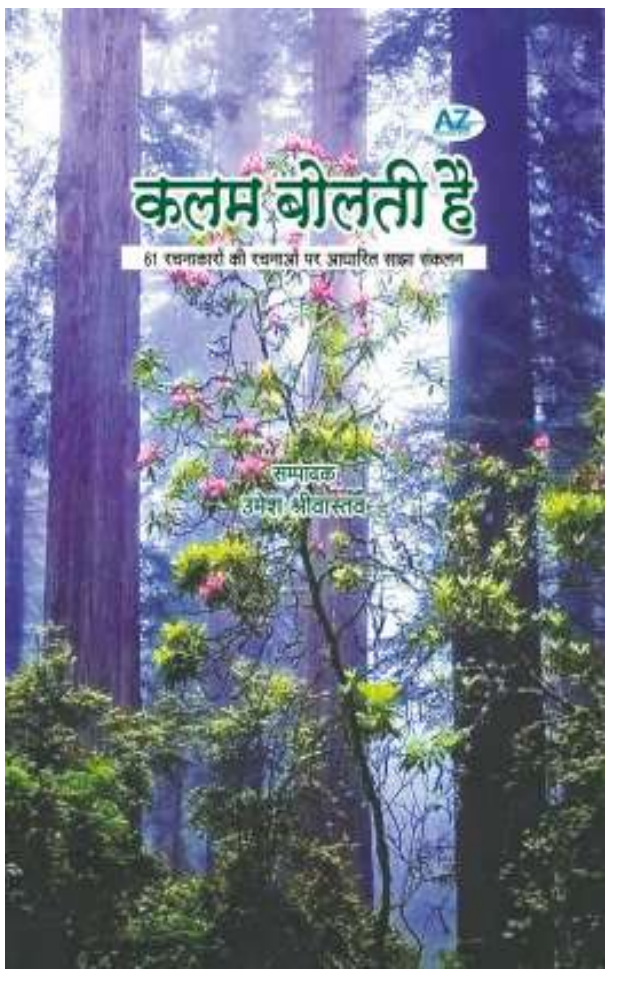

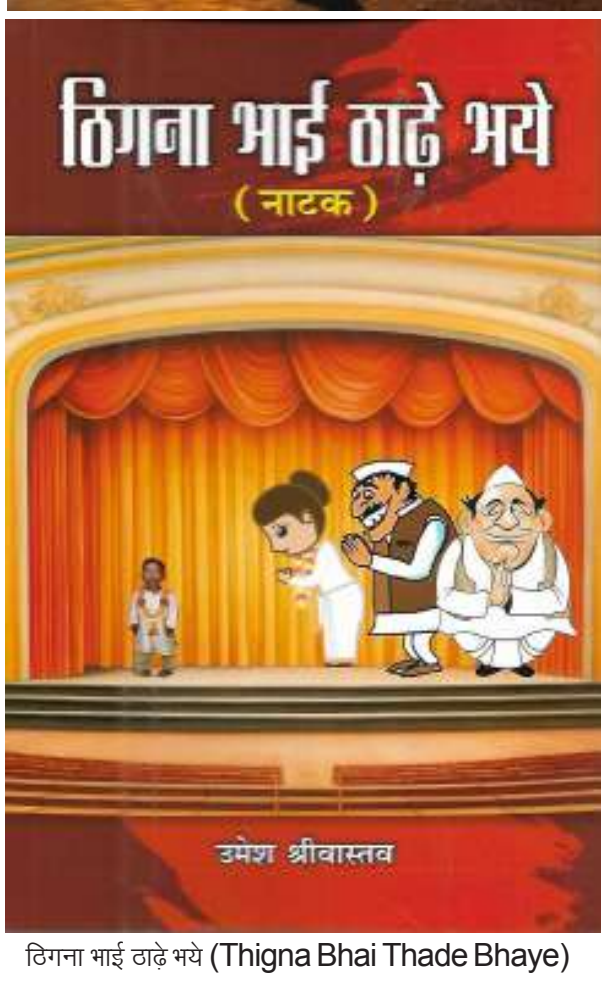

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान के साथ एकजुटता से खड़ा है पाकिस्तान : प्रधानमंत्री शरीफ

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात कर एकजुटता व्यक्त की और इजराइल के हमले को ''स्पष्ट तौर पर उकसावे का कृत्य'' बताया। इजराइल ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमले किए। हमलों में कई वरिष्ठ सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। बाद में ईरान ने भी जवाबी

हमले किए। शरीफ ने शनिवार को पेजेशकियन से टेलीफोन पर बातचीत में ईरान के खिलाफ इजराइल के हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हमला ईरान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडतातथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर एवं अंतराष्ट्रीय कानून का पूर्ण उल्लंघन है। शरीफ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेशकियन से बात की और इजराइल के अकारण आक्रमण के सामने ईरान के लोगों के साथ पाकिस्तान की अटूट एकजुटता व्यक्त की।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार है। उन्होंने इजराइल के हमलों को क्षेत्रीय, वैश्विक शांति तथा स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बताया। 'रेडियो पाकिस्तान' ने अपनी खबर में बताया कि उन्होंने फलस्तीनियों के खिलाफ इजराइल के लगातार ''नरसंहार'' अभियान की भी कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र से आग्रह किया कि वे इजराइल के ''आक्रामक रुख और उसके अवैध कृत्यों'' पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल एवं प्रभावी कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संदर्भ में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने इस कठिन समय में, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान के साथ पाकिस्तान के समर्थन और एकजुटता के लिए प्रधानमंत्री शरीफ को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि शरीफ का यह भाव दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है।

इजराइली सेना ने ईरानियों को हथियार बनाने वाले कारखाने खाली करने को कहा, नए हमलों की आशंका बढ़ी

इजराइली सेना ने रविवार को ईरानियों को ''सैन्य हथियार उत्पादन कारखानों'' को तत्काल खाली करने की चेतावनी दी जिसके बाद नए हमलों की आशंका बढ़ गई है। सैन्य प्रवक्ता कर्नल अविचे अद्राई ने 'एक्स' पर ईरान को फारसी में चेतावनी जारी की। अद्राई ने पूर्व में गाजा पट्टी में इजराइल–हमास युद्ध के बीच गाजा पट्टी, लेबनान और यमन में अन्य हमलों का संकेत दिया था। उनकी यह चेतावनी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर इजराइल अपने हमले बंद कर दे तो तेहरान भी इजराइल पर अपने हमले बंद कर देगा।

इजराइल के तेहरान पर हवाई हमले, ईरान ने तेल अवीव को नुकसान पहुंचाया

इजराइल और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष गहरा गया है, दोनों देश एक–दूसरे पर बड़े हमले कर रहे हैं। इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान पर हवाई हमले कर उसके नागरिक और महत्वपूर्ण रक्षा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है, जिसमें परमाणु और भूमिगत बैलिस्टिक मिसाइल ठिकाने भी शामिल हैं। इजराइल के भीषण हमलों में 29 बच्चों सहित 60 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इजराइल का कहना है कि उसके हमलों में ईरान के नौ वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक और कई शीर्ष सैन्य जनरल भी मारे गए हैं। जवाबी कार्रवाई में, ईरान ने इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिससे राजधानी तेल अवीव को पहली बार इतना बड़ा नुकसान हुआ है, हालांकि इजराइल का कुल मिलाकर मामूली क्षति हुई है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत के अनुसार, इन हमलों में कुल 78 लोगों की मौत हुई और 320 से अधिक घायल हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को बढ़ाते हुए, यमन के ईरान समर्थित हूती समूह ने भी पिछले 24 घंटों में मध्य इजराइल के जाफ़ा क्षेत्र में बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला करने का दावा किया है, जो तेहरान के सहयोग से किया गया।

निर्वाचित सरकार की प्रतीक्षा में व्यापारी और निवेशक; आखिर क्यों भरोसा नहीं जीत पाई अंतरिम सरकार?

ढाका। बांग्लादेश का व्यापारिक समुदाय और निवेशक देश में स्थिरता और उनके हित में स्थायी नीतियों के लिए एक निर्वाचित सरकार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बांग्लादेश परिधान निर्माता व निर्यातक संघ (बीजीएमईए) ने कहा है कि अंतरिम सरकार के दौरान देश में कोई भी निवेश नहीं करना चाह रहा। संघ के अध्यक्ष महमूद हसन खान बाबू ने कहा, यूनुस की सरकार ने बैंकिंग सुधारों, लूटपाट पर नियंत्रण समेत कुछ अच्छी पहल की हैं लेकिन वह भरोसा हासिल नहीं कर पाई है। कारोबारियों के सबसे अहम संगठन बीजीएमईए ने कहा कि आम तौर पर, एक अंतरिम सरकार के दौरान, निवेशक निवेश नहीं करना चाहते हैं। महमूद बोले– उम्मीद है कि जल्द ही चुनाव होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अगर हमला हुआ तो पूरी अमेरिकी सेना आप पर टूट पड़ेगी, ट्रंप की ईरान को कड़ी चेतावनी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को कड़ी चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने कोई दुस्साहस किया तो अंजाम ऐसा होगा, जो उसने न तो पहले कभी देखा होगा और न ही कभी सोचा होगा। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब इस्राइल ने तेहरान में ईरान के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय को निशाना बनाया। इस्राइल ने शनिवार को ईरान के बुशहर प्रांत में साउथ पारस गैस फील्ड से जुड़ी एक प्राकृतिक गैस प्रसंस्करण इकाई पर भी हमला किया। यह कहते हुए कि ईरान पर इस्राइल के हमलों में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी, ट्रंप ने दावा किया कि

वह ईरान और इस्राइल के बीच आसानी से समझौता करवा सकते हैं और इस संघर्ष को रुकवा सकते हैं। इससे पहले रविवार को ईरान ने तेहरान और वाशिंगटन डीसी के बीच परमाणु वार्ता के छठे दौर को रद्द कर दिया था।

क्या है मामला?

दरअसल, इस्राइल ने शुक्रवार को ईरान के कई ठिकानों पर हमले किए थे। इनमें कई परमाणु ठिकाने भी शामिल थे। इससे पश्चिम एशिया में संघर्ष का एक और मोर्चा खुल गया। इस एयर स्ट्राइक में ईरान के 20 टॉप कमांडर मारे गए। इनमें आर्मी और एयरफोर्स चीफ भी शामिल हैं। इस्राइल ने शुक्रवार सुबह 200 फाइटर जेट्स से 6 ठिकानों पर हमला किया। इन हमलों में ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

इसके जवाब में ईरान ने दोपहर में इस्राइल पर जवाबी हमले किए। ईरान ने 100 से ज्यादा ड्रोन दागे। इस्राइली सेना यानी प्क्ष का दावा है कि उसने सभी ड्रोन मार गिराए।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान परमाणु समझौता कर ले वरना और बड़ा बड़ा हमला झेलना होगा। ट्रंप ने कहा कि सबकुछ खत्म होने से पहले ईरान को यह डील कर लेनी चाहिए।

बढ़ते तनाव के बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमले की योजना और सैन्य अभियान ऑपरेशन राइजिंग लायन को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि ईरान के खिलाफ चलाया गया सैन्य अभियान ऑपरेशन राइजिंग लायन की मंजूरी छह महीने पहले नवंबर 2024 में दी गई थी। यह अभियान पहले अप्रैल 2025 में शुरू किया जाना था, लेकिन कुछ कारणों से इसे आगे बढ़ा दिया गया।

गिनी में लोकतंत्र लागू करने की तैयारी, सैन्य जुंटा ने राष्ट्रपति और आम चुनाव के लिए गठित किया निकाय

डाकार। पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी में सैन्य शासन खत्म करने के बाद अब लोकतंत्र लागू करने की तैयारी हो रही है। गिनी के सैन्य जुंटा (सत्ता चलाने वाली समिति) ने सितंबर में होने वाले सांविधानिक जनमत संग्रह और दिसंबर में होने वाले आम और राष्ट्रपति चुनाव के लिए निकाय का गठन किया है। यह निकाय चुनाव प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होगा। जुंटा नेता जनरल मामादी डौम्बौया ने एक आदेश में एलान किया कि चुनाव महानिदेशालय (डीजीई) अन्य कर्तव्यों के अलावा, चुनावों के आयोजन, मतदाता सूची के प्रबंधन और चुनावी निष्पक्षता के लिए जिम्मेदार होगा। संस्था के दो प्रमुखों की नियुक्ति राष्ट्रपति के आदेश से की जाएगी। यह निकाय उप–क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय चुनावी निकायों में गिनी का प्रतिनिधित्व भी करेगा।

गिनी में सेना के हाथ में सत्ता

गिनी में सत्ता सेना के हाथ में है। यहां सेना ने नागरिक शासन की वापसी में देरी की है। 2021 से सत्ता में काबिज जनरल मामादी डौम्बौया ने 31 दिसंबर 2024 की समयसीमा के बाद लोकतांत्रिक परिवर्तन शुरू करने पर सहमति जताई थी। सत्तारूढ़ जुंटा के समय सीमा का पालन न करने पर विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके कारण जनवरी में गिनी की राजधानी कोनाक्री में जनजीवन ठप हो गया था।

दिसंबर में होने हैं चुनाव

पिछले महीने प्रधानमंत्री अमादौ ओरी बाह ने कहा था कि आम और राष्ट्रपति चुनाव दिसंबर 2025 में होंगे। उन्होंने 21 सितंबर को एक नया संविधान अपनाने के लिए जनमत संग्रह का भी एलान किया। अब जब चुनाव का एलान हो गया है तो विश्वसनीयता को लेकर चिंता बढ़ रही है। सैन्य शासन ने पिछले साल 50 से अधिक राजनीतिक दलों को भंग कर दिया था। दावा किया गया था कि यह कदम राजनीतिक बिसात को साफ करने के लिए उठाया गया था। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि सत्ता ने स्वतंत्र मीडिया पर भी शिकंजा कस दिया है। इसके तहत सोशल नेटवर्क और निजी रेडियो स्टेशनों को अक्सर बंद कर दिया जाता है और सूचना साइटों को बिना किसी कारण के कई महीनों तक बाधित या निलंबित कर दिया जाता है। पत्रकारों को हमलों और गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ता है।

राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, कई शहरों में फैला विरोध प्रदर्शन

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ देश में विरोध प्रदर्शन बढ़ता जा रहा है। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत कैलिफोर्निया राज्य के लॉस एंजिलिस से हुई थी। अब यह विरोध प्रदर्शन कई शहरों तक फैल चुका है। शनिवार को फिलाडेल्फिया में सैंकड़ों की संख्या में लोग ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के खिलाफ नारेबाजी भी की। विरोध प्रदर्शनों के आयोजकों का कहना है कि देशभर में सैंकड़ों आयोजनों में लाखों लोग शामिल हुए हैं।

लॉस एंजिलिस में हुए थे दंगे

बीते हफ्ते अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अमेरिका के आव्रजन विभाग ने छापेमार कार्रवाई की थी और कई अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया था। इसके खिलाफ लॉस एंजिलिस में हिंसा भड़क गई थी। हिंसा के चलते राष्ट्रपति ट्रंप ने लॉस एंजिलिस

में नेशनल गार्ड्स की तैनाती का आदेश दिया, जिससे लोग और नाराज हो गए और शहर में जगह–जगह दंगे और आगजनी शुरू हो गई। अब भी लॉस एंजिलिस में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि फिलहाल हालात सामान्य हैं। न्यूयॉर्क, डेनवर, शिकागो, ऑस्टिन में भी ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ लोगों ने विरोध मार्च निकाला।

वॉशिंगटन समेत कई शहरों में हुए विरोध प्रदर्शन

मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी हाथों में ड्रम लेकर डांस करते दिखे और प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप विरोधी नारे लगाए। अटलांटा में भी करीब पांच हजार लोग एक कार्यक्रम में शामिल हुए। शनिवार को ट्रंप वॉशिंगटन में आयोजित हुई मिलिट्री परेड में शामिल हुए। आर्मी की 250वीं वर्षगांठ के अवसर इस परेड का आयोजन किया गया। वॉशिंगटन में भी करीब 200 लोगों ने लोगन सर्किल में ट्रंप के विरोध में कार्यक्रम आयोजित किया। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के बड़े–बड़े कटआउट बनाए हुए थे।

लोग बोले– फासीवाद चरम पर

वर्जीनिया में तो प्रदर्शनकारियों को एक एसयूवी ने टक्कर भी मार दी, जिसमें 21 साल का एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शनकारियों ने श्हमें राजा नहीं चाहिए और श्मिनी मुसोलिनी को निर्वासित करोश जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए वे यहां हैं।

सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक ने खालिस्तान समर्थकों को लताड़ा

ट्रूडो को बताया सबसे कमजोर प्रधानमंत्री

वॉशिंगटन। सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक और अध्यक्ष जसदीप सिंह जेसी ने खालिस्तान समर्थकों को लताड़ा है। उन्होंने कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो को सबसे कमजोर प्रधानमंत्री करार दिया। उन्होंने कहा कि ट्रूडो के कार्यकाल के दौरान खालिस्तानी समर्थन बढ़ा। यह नए पीएम मार्क कार्नी के नेतृत्व में कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे लगता है कि खालिस्तानी समर्थन और खालिस्तानी प्रभाव जो हमने अतीत में देखा था, अब ऐसा नहीं होता। जस्टिन ट्रूडो अपने पिता की तरह ही एक बहुत ही कमजोर प्रधानमंत्री थे और उनके पास भारत के खिलाफ एक एजेंडा था, जो खत्म हो गया है। जेसी ने कहा कि अब कनाडा में खालिस्तानी प्रभाव नहीं है। खालिस्तानी आबादी का बहुत ही छोटा हिस्सा है। भारत से बाहर रहने वाले अधिकांश सिख भारत, पंजाब से प्यार करते हैं, और चाहते हैं कि भारत और पंजाब आगे बढ़ें। मैं खालिस्तानियों को सिख भी नहीं मानता क्योंकि वे सिख सिद्धांतों पर काम नहीं करते। उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पीएम मोदी को कनाडा द्वारा दिए गए निमंत्रण का स्वागत किया और इसे भारत–कनाडा संबंधों का सकारात्मक विकास बताया। उन्होंने पीएम मोदी को आमंत्रित करने के लिए कार्नी की सराहना की और कहा कि यह दोनों देशों के लिए एक नई शुरुआत है। जेसी ने कहा कि पीएम मोदी को आमंत्रित करने का कनाडा का निर्णय बहुत अच्छा है। भारत एक बहुत मजबूत राष्ट्र है। अच्छी समझ की जीत हुई और मैं पीएम मोदी को आमंत्रित करने के लिए कनाडाई पीएम मार्क कार्नी की सराहना करता हूं। यह एक बहुत अच्छे रिश्ते की शुरुआत है।

खालिस्तानी आंदोलन के नाम पर हो रहा अवैध व्यापार

कार्नी ने कहा कि खालिस्तानी आंदोलन के नाम पर दुष्ट तत्व हर तरह का अवैध व्यापार कर रहे हैं। हमने उन्हें मानव तस्करी में शामिल देखा है। जब सभी युवा जो डंकी मार्ग से इन विदेशी देशों में आ रहे थे, उन्हें गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे तथाकथित खालिस्तानी नेताओं द्वारा पीड़ित और हेरफेर किया जा रहा था। फिर जनमत संग्रह के लिए इस्तेमाल किया गया और उन्हें झूठे वादे दिए गए कि उन्हें राजनीतिक शरण मिलेगी और इस तरह की सभी चीजें। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद, यह सब बंद हो गया है और इन सभी झूठे आव्रजन मामलों की जांच होने जा रही है।

खालिस्तानियों को नहीं मानते सिख

सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक ने कहा कि हम खालिस्तानियों को सिख नहीं मानते क्योंकि वे सिख धर्म के सिद्धांतों के खिलाफ काम करते हैं। इसलिए उनका प्रतिशत बहुत कम है, और मुझे नहीं लगता कि इस नई सरकार पर उनका कोई प्रभाव है।

पूजा स्थलों पर हमले गलत

जेसी ने कहा कि हम सभी तरह की हिंसा की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन बर्बरता की हरकतें, खासकर हिंदू मंदिरों–पूजा स्थलों में, गलत थीं। पूजा स्थल पर हमला करना सिख सिद्धांतों के खिलाफ है। सिख हमेशा से भारत के लिए रहे हैं और हिंदू हमारे भाई हैं और हम सभी धर्मों को महत्व देते हैं और उनका सम्मान करते हैं। भारतीय समुदाय को एकजुट रहना होगा। हमें यहां विभाजनकारी नहीं बनना है।

पीएम मोदी के दौरे से सुधरेंगे कनाडा से रिश्ते, कार्नी का न्योता प्रतीकात्मक तौर पर शांति प्रस्ताव

न्यूजर्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जी–7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रवाना होने से पूर्व प्रवासी भारतीय समुदाय ने उनकी आगामी कनाडा यात्रा का स्वागत किया। साथ ही यह उम्मीद भी जताई है कि यह भारत–कनाडा रिश्तों में सुधार के लिए बेहद अहम साबित होगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।